P372

इंदौर, सोमवार 27 अप्रैल 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 154
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

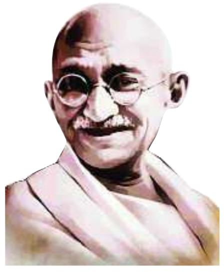

राष्ट्रपिता को नमन...

सत्ता ही सबसे बड़ा उत्प्रेरक

अक्षय की बात अपनों के साथ

मध्यप्रदेश की राजनीति इन दिनों एक दिलचस्प मोड़ पर खड़ी है, जहाँ सत्ता और संगठन के बीच का समीकरण दोनों प्रमुख दलों - भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (कांग्रेस)-के लिए अलग-अलग तरह की चुनौतियाँ और अवसर लेकर आया है। मध्यप्रदेश की राजनीति यह स्पष्ट संकेत देती है कि सत्ता केवल शासन का माध्यम नहीं, बल्कि संगठन को जीवित और सक्रिय रखने का सबसे बड़ा उत्प्रेरक भी है।

बीजेपी ने हाल के समय में संगठनात्मक पदों और निगम-मंडलों में कार्यकर्ताओं की नियुक्ति कर एक स्पष्ट संदेश दिया है—निष्ठा और मेहनत का प्रतिफल मिलेगा। इससे कार्यकर्ताओं में ऊर्जा आई है और संगठन को जमीनी स्तर पर गति भी मिली है। सत्ता में होने का लाभ यह है कि असंतोष के बावजूद एक अनुशासन बना रहता है।

हालांकि, यह भी सच है कि अंदरूनी गुटबाजी और असंतोष पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। कई नेता और कार्यकर्ता खुद को उपेक्षित महसूस करते हैं, लेकिन सत्ता का प्रभाव ऐसा है कि विरोध अक्सर दबा रहता है या खुलकर सामने नहीं आता।

बीजेपी के भीतर गुटबाजी कोई नई बात नहीं है, लेकिन इसे संतुलित रखने की कला पार्टी ने वर्षों में विकसित की है। अलग-अलग नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा रहते हुए भी संगठनात्मक ढांचा इतना मजबूत है कि वह टूटने के बजाय आगे बढ़ता रहता है। यही कारण है कि छोटे-मोटे असंतोष के बावजूद पार्टी की चुनावी मशीनरी प्रभावी बनी रहती है।

दूसरी ओर, कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती सत्ता का अभाव है। संगठन को मजबूत करने के प्रयास जरूर हो रहे हैं—बैठकें, रणनीतियाँ, नए चेहरे—जमीनी स्तर पर वह उत्साह नहीं दिखता जो किसी पार्टी को चुनावी रूप से आक्रामक बनाता है।

कार्यकर्ताओं में यह भावना अक्सर देखने को मिलती है कि जब तक सत्ता नहीं है, तब तक मेहनत का सीधा प्रतिफल नहीं मिलेगा। यही सोच संगठनात्मक ऊर्जा को सीमित कर देती है।

कांग्रेस के सामने नेतृत्व की स्पष्टता और रणनीतिक एकरूपता भी एक बड़ा मुद्दा है। अलग-अलग स्तर पर प्रयास तो हो रहे हैं, लेकिन उनमें एकजुटता और निरंतरता की कमी दिखाई देती है।

न्यूज ब्रीफ

- मुझे झूठे केस में फंसाया गया- शराब घोटाला मामले में बोले केजरीवाल
- पंजाब : मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूर्व DIG हरचरण सिंह भुल्लर के 11 ठिकानों पर ईडी का छापा
- रूसी राष्ट्रपति पुतिन से होगी अराघची की मीटिंग, जंग की स्थिति पर हो सकती है चर्चा
- यूपी : समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव आज करेंगे प्रेस कॉन्फ्रेंस
- ईरान ने शर्त के साथ दिया होर्मुज स्ट्रेट खोलने का प्रस्ताव
- जापान के होक्काइडो में 6.1 तीव्रता का भूकंप
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज से 2 मई तक हिमाचल प्रदेश के दौरे पर रहेंगी
- इजरायली हमलों में 14 की मौत, लेबनान स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी जानकारी
- भीषण गर्मी और हीटवेव के कारण नोएडा में आज से स्कूलों के समय में बदलाव

थम गया शहर : बाजारों में भीड़ हुई कम

■ दिन में लू जैसी गर्म हवाओं ने झुलसाया
■ पारा 42 डिग्री के पार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह में गर्मी ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। मध्य प्रदेश के कई शहरों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है और कई शहरों में पारा 43 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया है। इंदौर में भी इस साल का सबसे गर्म दिन दर्ज हुआ। पारा 42 डिग्री के पार पहुंच गया है। सोमवार को भी लू जैसी चल रही गर्म हवाओं ने लोगों को झुलसा दिया। दिन में अब लोग घरों में ही रहना पसंद कर रहे है, शहर के प्रमुख बाजारों में भी भीड़ कम दिखाई दे रही है, सड़कें सुनसान होने लगी है। इंदौर में पिछले कुछ दिनों से लगातार तापमान बढ़ता जा रहा है। रविवार को इस सीजन और साल का सबसे ज्यादा तापमान दर्ज हुआ। दिन का अधिकतम तपमान 42.2 डिग्री तक पहुंच गया, जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा था। एक ही दिन में 1 डिग्री की बढ़ोतरी देखी गई। रविवार को यह 41.2 डिग्री दर्ज हुआ था। रात का न्यूनतम तापमान भी बादल साफ होते ही कम होकर 22.2 डिग्री पर दर्ज हुआ। यह

सामान्य रहा। इसमें सवा डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।

दिन में लू जैसे गर्म हवाएं चली : रविवार को गर्मी के तेवर और तीखे हो गए। सुबह 8.30 बजे ही तापमान 32 डिग्री पर पहुंच गया था। इसके बाद लगातार तापमान में बढ़ोतरी देखी गई। दोपहर में गर्म हवाओं ने लोगों को झुलसने पर मजबूर कर दिया। पश्चिम की ओर से चल रही गर्म हवाओं के कारण लोग घर से निकलते वक्त अपने-आप को पूरी तरह ढंक कर निकल रहे थे।

बारिश के बाद रात का तापमान 3 डिग्री गिरा

इंदौर में रविवार को भीषण गर्मी और हीट वेव के बाद शाम को हुई बारिश से कुछ राहत मिली है। रात के तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस गिरावट आई है। हालांकि इस दौरान भी गर्मी का असर रहा। सोमवार सुबह बादल छाए और फिर धूप चढ़ने लगी है। दिन बढ़ने के साथ ही गर्मी का अहसास बढ़ने लगा है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक सोमवार को भी दिन और रात गर्म रहेंगे। दो दिन बाद तापमान में गिरावट आएगी और पारा 3 से 4 डिग्री गिर सकता है। रविवार को इस सीजन का सबसे गर्म दिन था जिसने लोगों को हलाकान कर दिया था।

निगम-मंडल की नियुक्तियों में मोहन सरकार का 'सियासी संतुलन'

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश में लंबे समय से प्रतीक्षित निगम-मंडल, आयोग और प्राधिकरणों में नियुक्तियों का दौर अब गति पकड़ चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार ने इन पदों पर नियुक्तियां कर न सिर्फ रिक्तियों को भरा है, बल्कि इसके जरिए क्षेत्रीय और संगठनात्मक समीकरणों को साधने का स्पष्ट संकेत भी दिया है। विशेष रूप से ग्वालियर-चंबल अंचल में यह रणनीति प्रमुखता से दिखाई दे रही है, जहां केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के करीबी नेताओं को प्रतिनिधित्व मिला है।

इन नियुक्तियों में सबसे ज्यादा चर्चा में पूर्व सांसद केपी यादव की नियुक्ति रही है, जिन्हें नागरिक आपूर्ति निगम का अध्यक्ष बनाया गया है। यादव वही नेता हैं जिन्होंने वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में तत्कालीन कांग्रेस नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया को हराया था। सिंधिया के भाजपा में शामिल होने के बाद भी यादव कई मुद्दों पर मुखर रहे थे, हालांकि समय-समय पर दोनों नेताओं को साथ भी देखा गया। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने केपी यादव का टिकट काटकर सिंधिया को उम्मीदवार बनाया था। इसके बावजूद केपी यादव ने बगावती तेवर नहीं दिखाए थे, जिस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें भविष्य में बड़ी जिम्मेदारी देने का संकेत दिया था। इस नियुक्ति को भाजपा द्वारा एक बड़ा संदेश देने के तौर पर देखा जा रहा है। ग्वालियर विकास प्राधिकरण की कमान मधुसूदन भदौरिया को सौंपी गई है, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पृष्ठभूमि से आते हैं और भाजपा संगठन में महामंत्री भी रह चुके हैं।

इंदौर में मेट्रो स्टेशन बनाने के लिए हटेंगी 14 दुकानें

दुकानदारों को मिलेगी वैकल्पिक दुकान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना के तहत छोटा गणपति भूमिगत स्टेशन के निर्माण कार्य में तेज़ी लाने के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। नगर निगम के स्वामित्व वाली 14 दुकानों को हटाया जाएगा, जो इस स्टेशन के निर्माण में बाधा बन रही थीं। अधिकारियों ने बताया कि इन दुकानों के कारण परियोजना में अपेक्षित गति नहीं आ पा रही थी।

इंदौर मेट्रो परियोजना प्रदेश की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। छोटा गणपति स्टेशन शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों में से एक है, और यहां भूमिगत स्टेशन का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। यह दुकानें कई वर्षों से यहां संचालित हो रही थीं और इनके हटने से निर्माण गतिविधियों को सुचारु रूप से आगे बढ़ाया जा सकेगा। नगर निगम और मेट्रो अधिकारियों ने

प्रभावित दुकानदारों के हितों को ध्यान में रखते हुए उन्हें वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा है। दुकानदारों से चर्चा कर उनकी सहमति से यह व्यवस्था की जाएगी, ताकि उनका व्यवसाय प्रभावित न हो। प्रशासन का प्रयास है कि विस्थापन के कारण दुकानदारों को किसी प्रकार की आर्थिक हानि न हो और उन्हें जल्द से जल्द नई जगह पर स्थापित किया जा सके। इस संबंध में जल्द ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

परियोजना की वर्तमान स्थिति-इंदौर मेट्रो परियोजना का कार्य तेजी से जारी है, और शहर में विभिन्न स्थानों पर एलिवेटेड और भूमिगत दोनों तरह के स्टेशन बनाए जा रहे हैं। कई हिस्सों में सिविल वर्क पूरा हो चुका है, और ट्रैक बिछाने तथा विद्युतीकरण का काम भी प्रगति पर है।

हाईकोर्ट के आदेश को सरकार देगी चुनौती

चेकपोस्ट से 'एमपी का नाम खराब', कमाई 70 करोड़ सालाना

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश सरकार जबलपुर हाईकोर्ट के उस आदेश को डबल बेंच में चुनौती देने की तैयारी में है, जिसमें 30 दिन में बंद आरटीओ चेकपोस्ट दोबारा खोलने को कहा गया है। इस पर कानूनी राय ली जा रही है।

ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन भी फैसले के खिलाफ याचिका दायर करने की तैयारी में है। सवाल है कि अवैध वसूली की शिकायतों के चलते दो साल पहले बंद चेकपोस्ट को दोबारा खोलने का निर्देश क्यों दिया गया और क्या इससे सरकार का राजस्व बढ़ेगा? पड़ताल में सामने आया कि 2014 में चेकपोस्ट से 150 करोड़ रुपए का राजस्व मिलता था, जो 2022 में घटकर 70 करोड़ रह गया, जबकि वसूली की शिकायतें बढ़ीं।

जबलपुर हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल 2026 को रजनीश त्रिपाठी की अवमानना याचिका पर सुनवाई की। इसके बाद 30 दिन में सभी चेकपोस्ट दोबारा चालू करने के आदेश दिए। याचिका में कहा गया था कि ओवरलोड वाहनों से सड़कों और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान हो रहा है। बिना परमिट वाले वाहन बढ़े हैं।

सरकार चेकपोस्ट जारी रखने का आश्वासन दे चुकी थी, लेकिन 30 जून 2024 को इन्हें बंद कर दिया। जस्टिस विशाल मिश्रा ने इसे आदेश और आश्वासन का उल्लंघन माना। कोर्ट के अनुसार, भारी वाहनों की जांच कमजोर हुई, हादसों का खतरा बढ़ा और ओवरलोडिंग रोकने के लिए फिजिकल चेकिंग जरूरी है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, परिवहन विभाग की चेकपोस्ट वसूली का अड्डा बन चुकी थीं, जिससे सरकार की छवि प्रभावित हो रही थी। इन्हें बंद करने की इच्छा केंद्रीय स्तर पर भी थी। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने 16 जुलाई 2022 को तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान और सीएस इकबाल सिंह बैस को पत्र लिखकर वसूली पर चिंता जताई थी।

ईरान के पास बहुत कम वक्त बचा है

तीन दिन में सीजफायर की शर्त नहीं मानी तो तेल पाइपलाइन ब्लास्ट हो जाएंगी-ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान (एजेंसी) ● अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को ईरान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि उसके पास युद्ध खत्म करने के लिए सीजफायर पर सहमत होने के लिए सिर्फ तीन दिन हैं, नहीं तो उसकी तेल पाइपलाइन में ब्लास्ट हो जाएगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान तेल का निर्यात नहीं कर पाता, तो पाइपलाइन में दबाव बढ़ेगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि तेल को जहाजों या स्टोरेज टैंकों में भेजने का रास्ता बंद है और उस पर नाकेबंदी लगी हुई है। उन्होंने दावा किया कि जब तेल का बहाव अचानक रोकना पड़ता है, तो पाइपलाइन के अंदर दबाव बनता है और तकनीकी व प्राकृतिक कारणों से वह फट सकती है। ट्रम्प के मुताबिक, अगर ऐसा हुआ तो पाइपलाइन को पहले जैसी हालत में दोबारा बनाना लगभग नामुमकिन होगा।

स्मार्ट सिटी सट्टा बाजार में भाजपा को 200 से 250 सीटों का अनुमान

इंदौर का सट्टा बाजार-पश्चिम बंगाल चुनाव में किया जा रहा भाजपा की प्रचंड जीत का दावा !

- फलौदी सट्टा बाजार, दिल्ली सट्टा बाजार और कोलकाता सट्टा बाजार में भी भाजपा भारी
- आईपीएल से ज्यादा गर्म है चुनाव का सट्टा बाजार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● पूरे देश की नजरें पश्चिम बंगाल चुनाव पर लगी है। सूत्रों के अनुसार शहर में भी इस चुनाव को लेकर सट्टा बाजार में गुपचुप सौदे चल रहे हैं। शहर में आईपीएल से ज्यादा पश्चिम बंगाल चुनाव पर जीत-हार को लेकर दाव लगाए जा रहे हैं। राजनीति से जुड़े लोग इसमें ज्यादा दिलचस्पी दिखा रहे हैं। कई दोस्त भी आपस में चुनाव को लेकर हार-जीत के दाव लगा रहे हैं। भारी मतदान को लेकर भी सट्टा बाजार में दाव लगाए जा रहे हैं। कहीं भाजपा के वोट प्रतिशत पर दाव लग रहे हैं तो कहीं कांग्रेस की सीट को लेकर दावा किया जा रहा है। कुछ लोग तो टीएमसी की जीत भी बता रहे हैं। चुनाव परिणाम के पहले तो सट्टा बाजार गर्म है। वैसे इंदौर के सटोरिए भी पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनाने के दावे कर रहे हैं। इसे लेकर सट्टा भी लगाया जा रहा है।

सूत्र बताते हैं कि शहर के कई सटोरिए अब आईपीएल के स्थान पर पश्चिम बंगाल के चुनाव को लेकर हार-जीत के दाव लगा रहे हैं। इन सौदों में कई पुराने सटोरिए भी सक्रिय हैं। सारे सौदे मुंह जबानी हो रहे हैं। पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए न तो मोबाइल पर बात हो रही है न ही और किसी तरीके से चुनावी सट्टा लगाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि क्राइम ब्रांच ने आईपीएल सट्टे को पकडने के लिए हाईटेक इंतजाम किए हैं। इस सतर्कता को देखते हुए सटोरिए गुप-चुप दाव लगाने में जुटे हैं।

इंदौर के सटोरिए बता रहे भाजपा की ऐतिहासिक जीत

सूत्र बताते हैं कि इंदौर के सटोरिए पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत बता रहे हैं। चुनाव विश्लेषण और भारी मतदान को लेकर ये कयास लगाए जा रहे हैं कि यहां भाजपा की ऐतिहासिक जीत होगी। इंदौर के सट्टा बाजार में भाजपा को कुल 200 से ज्यादा सीटों की बात की जा रही है, कुछ तो ये आंकड़ा ढाई सौ तक पहुंचने को लेकर भी सौदे कर रहे हैं। इंदौर के सट्टा बाजार में भाजपा क्रं को 290 में से 215 से 255 सीट बताई जा रही है। वहीं टीएमसी की सीटों को लेकर 70-80 सीट ज्यादा नहीं बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक फलौदी सट्टा बाजार में भाजपा को 170 और टीएमसी को 120 सीटें बताई गई है। दिल्ली सट्टा बाजार भाजपा को 180 और टीएमसी को 110 सीटें बता रहा है। कोलकाता सट्टा बाजार भाजपा को 190 सीट और टीएमसी को 100 सीटें बता रहा है। ये सारे अनुमान जनचर्चा में चल रहे हैं। चुनाव परिणाम क्या होगें ये तो मई के प्रथम सप्ताह में ही सामने आएगा। दूसरी ओर उच्च पदस्थ पुलिस सूत्रों का कहना है कि शहर में अभी तक चुनाव सट्टे को लेकर कोई तथ्य सामने नहीं आए हैं। शहर में चुनावी सट्टे को लेकर चल रही बातें पूरी तरह गलत हैं। क्राइम ब्रांच हाईटेक तरीके से किसी भी तरह के सट्टे को रोकने के लिए सक्रिय है।

केवल पश्चिम बंगाल के चुनाव पर नजर

सूत्रों के अनुसार असम, केरल, तमिलनाडु, पुड्डू चेरी के साथ ही पश्चिम बंगाल में भी चुनाव हो रहे हैं। इनके नतीजे मई माह में सामने आएंगे। बताते हैं कि सटोरिए इन चुनाव को लेकर केवल पश्चिम बंगाल के चुनाव पर ही दाव लगा रहे हैं। सट्टा बाजार में पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा और टीएमसी के बीच कांटे की टक्कर मानी जा रही है। कहीं टीएमसी तो कहीं भाजपा को रिकार्ड तोड मतदान का फायदा बताया जा रहा है। इस बीच ज्यादातर सटोरिए पश्चिम बंगाल में भाजपा का पलड़ा ही भारी बता रहे हैं।

इंदौर में लाइव कॉन्सर्ट का क्रेज घटा, हनी सिंह सहित तीन बड़े शो हुए रद्द, आयोजकों को हुआ भारी नुकसान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मिनी मुंबई के नाम से मशहूर इंदौर में लाइव कॉन्सर्ट का क्रेज अब आयोजकों के लिए घाटे का सौदा बनता जा रहा है। पिछले डेढ़ महीने में शहर में तीन बड़े कलाकारों के शो रद्द हुए हैं। इससे संगीत प्रेमियों को निराशा हाथ लगी है, वहीं शहर की अर्थव्यवस्था को भी तगड़ा झटका लगा है।

इन लगातार रद्द हो रहे आयोजनों के पीछे मुख्य वजह उम्मीद से बेहद कम टिकटों की बिक्री और प्रशासन की जटिल टैक्स प्रक्रिया है। आयोजकों का मानना है कि अब इंदौर में बड़े कॉन्सर्ट कराना जोखिम भरा काम हो गया है।

3 बड़े शो हुए रद्द–पिछले महीने 15 मार्च को शंकर-एहसान-लॉय का शो रद्द हुआ था। इसके बाद 4 अप्रैल को सलीम-सुलेमान का कार्यक्रम भी ऐन

वक्त पर कैंसिल हो गया। आज 25 अप्रैल को होने वाला हनी सिंह का मेगा इवेंट भी रद्द कर दिया गया है।

प्रस्तावित हनी सिंह के शो के लिए आयोजकों ने 15 से 20 हजार दर्शकों का लक्ष्य रखा था। हालांकि, धरातल पर सिर्फ 6 से 7 हजार टिकट ही बिक पाए। सूत्रों के अनुसार, अकेले हनी सिंह की फीस करीब 3 करोड़ रुपए थी। पूरे शो का तामझाम 8 से 10 करोड़ रुपए तक पहुंच जाता है। आयोजकों का कहना है कि शहर में बैक-टू-बैक बड़े इवेंट्स होने से दर्शकों का उत्साह बंट गया है। लोग अब हर शो के लिए मोटी रकम खर्च करने को तैयार नहीं हैं।

टैक्स और फ्री पास की 'दोहरी मार'

इंदौर में इवेंट इंडस्ट्री की राह में प्रशासनिक प्रक्रिया सबसे बड़ी बाधा है। जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहरों में सिंगल विंडो पोर्टल से सभी अनुमतियां मिल जाती हैं। वहीं, इंदौर में आयोजकों को दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं। इसके अलावा, कुल रेवेन्यू पर 10 फीसदी टैक्स लगता है। प्रशासनिक विभागों में बांटे जाने वाले करीब 1500 'फ्री पास' आयोजकों की कमर तोड़ देते हैं। अतीत में भी टैक्स विवाद के कारण करण औजला और हनी सिंह के शो के दौरान नगर निगम ने सामान जब्त किया था। इन घटनाओं से राष्ट्रीय स्तर पर शहर की साख को नुकसान पहुंचा है।

अर्थव्यवस्था पर असर–इन शो के रद्द होने का असर सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं है। एक बड़े कॉन्सर्ट से इंदौर के होटलों में ऑक्यूपेंसी 90 फीसदी तक पहुंच जाती है। बाहर से आने वाली टीमों और फैंस की वजह से कैब, रेस्टोरेंट और लोकल फूड स्टॉल संचालकों की अच्छी कमाई होती है।

एक अनुमान के मुताबिक, एक बड़े इवेंट से सिक्योरिटी, पार्किंग, लाइटिंग और साउंड जैसे क्षेत्रों में 3 से 5 हजार लोगों को सीधे तौर पर रोजगार मिलता है। आयोजकों का कहना है कि यदि हालात नहीं सुधरे तो बड़े कलाकार और इवेंट कंपनियां इंदौर से मुंह मोड़ सकती हैं। प्रशासन को टैक्स और परमिशन की प्रक्रिया सरल करनी होगी, तभी इंदौर फिर से बड़े आयोजनों का केंद्र बन पाएगा।

न्यूज ब्रीफ

छतों से बिजली उत्पादन दैनिक तेरह घंटे पहुंचा, पश्चिम मप्र में संयंत्रों की संख्या 61 हजार पार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पश्चिम मप्र में रूफ टॉप सोलर नेट मीटर यानि छतों से सौर ऊर्जा उत्पादन करने वालों की संख्या में सतत बढ़ोतरी की स्थिति हैं। अब पश्चिम मप्र में 61 हजार से ज्यादा स्थानों पर सौर ऊर्जा उत्पादन हो रहा हैं, इसमें से 30 हजार के करीब इंदौर जिले में हैं। अप्रैल के अंतिम सप्ताह में सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच करीब तेरह घंटे का अंतर है, इस तरह सौर ऊर्जा का उत्पादन तेरह घंटे दैनिक के स्तर पर पहुंच गया है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में आवेदनों के त्वरित मंजूरी की जा रही हैं, इससे रूफ टॉप नेट मीटर लगाने वालों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में 78 हजार तक सब्सिडी दी जा रही है।

चत्रभुज नरसी स्कूल, इंदौर में पिस्टल शूटिंग कॉम्पिटिशन के साथ शूटिंग एकेडमी की शुरुआत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● चत्रभुज नरसी स्कूल, इंदौर ने 25 और 26 अप्रैल को पिस्टल शूटिंग कॉम्पिटिशन से अपनी स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट पिस्टल शूटिंग एकेडमी की शुरुआत की। इस इवेंट का फोकस ओलंपिक कोच और कॉमनवेल्थ गोल्ड मेडलिस्ट रौनक पंडित की मेंटरशिप में इस डिसिप्लिन में जोश भरने वाले लोगों को एक साथ लाना था। ओलंपिक-स्टैंडर्ड 10-मीटर शूटिंग रेंज से लैस यह एकेडमी, स्कूल के विज़न को दिखाती है जिसमें पढ़ाई को असल दुनिया के स्किल्स, स्पोर्ट्स और वैल्यू-बेस्ड लर्निंग के साथ जोड़ा जाता है।

बिल्डर विवेक दम्मानी पर फायरिंग करने वाला था लॉरेंस गैंग, हो गई थी रेकी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश की व्यावसायिक, आर्थिक राजधानी इंदौर को हिलाने की तैयारी में लॉरेंस गैंग जुटा हुआ है। जिससे रियल एस्टेट कारोबारी और बड़े कॉरपोरेट घरानों से करोड़ों की वसूली की जा सके। इसके लिए इंदौर के बिल्डर और नरेडको (नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल) मप्र के प्रेसीडेंट विवेक दम्मानी पर फायरिंग की तैयारी की जा रही थी। उन्हें पहले ही 5 करोड़ की वसूली के फोन आ गए थे। लेकिन उनके द्वारा हिम्मत दिखाते हुए इसमें पुलिस में शिकायत कर दी गई थी। इंदौर क्राइम ब्रांच ने इस केस में अहम सफलता हासिल की है। इंदौर क्राइम ब्रांच डीसीपी राजेश त्रिपाठी ने बताया कि लॉरेंस गैंग की ओर से अप्रैल में जो धमकी दी गई थी, इसकी जांच की गई है। इसमें खरगोन में गिरफ्तार हुए राजपाल सिंह चंद्रावत का नाम सामने आया था। इसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। राजपाल से खुलासा हुआ कि उसने इंदौर के भंवरकुआं निवासी रितेश उर्फ सोनू खंगार को काम दिया था।

सोनू ने ही बिल्डर की रेकी करके फोटो, वीडियो व अन्य जानकारी राजपाल को दी थी। राजपाल ने जानकारी लॉरेंस गैंग के हैरी बाक्सर तक पहुंचाई थी। डीसीपी क्राइम ने बताया कि इस मामले में तत्परता से हुई जांच से राजपाल से पूछताछ हुई। इसके बाद सोनू को भी पकड़ा गया। सोनू पर पहले भी गंभीर अपराध में केस दर्ज है और वह ड्राइवरी का काम करता है। उसने रेकी कर फोटो, वीडियो भेजने की बात कबूली है। राजपाल से भी साफ हुआ है कि यह जानकारी हैरी बाक्सर को दी गई थी। समय पर गिरफ्तारी हो गई, नहीं तो आशंका थी कि इनके द्वारा जैसे खरगोन में व्यापारी के यहां हवाई फायरिंग की गई, इंदौर में भी डराने के लिए फायरिंग की जाती। अभी और भी आरोपी होने की आशंका है। राजपाल पर पहले भी गंभीर केस हैं और दिल्ली स्पेशल टीम और एनआईए इसकी जांच कर रही है। इंदौर में बिल्डर विवेक दम्मानी को धमकी देकर 5 करोड़ की फिरौती मांगी गई थी। इसमें गोली मारने की भी धमकी दी गई। फिर प्रॉपर्टी कारोबारी चेतन पंवार व उनके पार्टनर कुंवर भूरिया को 10 करोड़ की वसूली के लिए फोन आया। इसके पहले इंदौर में कॉलेज संचालक रंजन मित्तल, तुकोगंज के रियल एस्टेट कारोबारी संजय मोगरा (जैन) को धमकी देकर 15 करोड़ मांगे गए। मेवाड़ अस्पताल संचालक विक्रम मेवाड़ा से भी 5 करोड़ मांगे गए थे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का कॉंग्रेस द्वारा विरोध किए जाने पर 30 मार्च को महिला मोर्चा का पैदल मार्च

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय जनता पार्टी की कामकाजी बैठक आज भाजपा कार्यालय पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, एमआईसी सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया, अश्विनी शुक्ला, कमल वाघेला, महामंत्री सुधीर कोल्हे, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष शैलजा मिश्रा, मोर्चा प्रदेश कोषाध्यक्ष निधि बंग, श्रेष्ठा जोशी, अशोक चौहान चांदु की उपस्थिति में सम्पन्न हुई।

बैठक में भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को अधिकार संपन्न बनाने और देश की संसद व राज्यों की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने के लिए नारी शक्ति वंदन कानून लेकर आए हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने हमेशा से महिलाओं को मिलने वाले अधिकारों का विरोध किया है। जिस समाज व राष्ट्र ने महिलाओं को अधिकारों से वंचित किया वह समाप्त हो गए। कांग्रेस ने महिला विरोधी मानसिकता के चलते लोकसभा में 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम का विरोध किया। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने लोकसभा में सिर्फ एक अधिनियम का विरोध कर देश की आधी आबादी का अपमान किया है। इसके विरोध में 30 अप्रैल शाम 5 बजे चिकमंगलूर चौराहे से रघुनाथपूरम मंदिर खातीपूरा तक महिला मोर्चा द्वारा पैदल मार्च निकाला जाएगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने वाली कॉंग्रेस की अर्थी निकाली जाएगी। इसके पश्चात खातीपूरा चौराहे पर कॉंग्रेस का पुतला दहन किया जाएगा।

छत्रपति नगर में ग्रीष्मकालीन जैन धर्म शिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मिनी बुंदेलखंड के रूप में चर्चित छत्रपति नगर में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्वावधान में एवं छत्रपति नगर, महावीर बाग, गौरव नगर एवं अग्रसेन नगर मे कार्यरत समस्त महिला संगठन के संयुक्त तत्वावधान में 26 अप्रैल से 3 मई तक ज्ञान की आराधना करने एवं बच्चों को जैन धर्म का प्रशिक्षण देकर उन्हें संस्कारित करने के लिए ग्रीष्मकालीन जैन धर्म शिक्षण शिविर का शुभारंभ दिगंबर जैन तीर्थ स्वरूप आदिनाथ जिनालय छत्रपति नगर के ऋषभ सभागृह में हुआ।

नि:शुल्क भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन में 52 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, युवा नेतृत्व को मिला नया आयाम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय युवा महासभा द्वारा एक भव्य एवं ऐतिहासिक सामूहिक विवाह सम्मेलन, नि:शुल्क परिचय सम्मेलन एवं शपथ विधि कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के हजारों लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिसने आयोजन को अत्यंत विशेष बना दिया। इस अवसर पर परम श्रद्धेय मुख्य संरक्षक बालेश्वर दयाल जायसवाल एवं वरिष्ठ संरक्षक पन्नालाल जायसवाल का स्नेह एवं आशीर्वाद महासभा को प्राप्त हुआ।

ग्रुप ने विंध्य गौरव सम्मान से सम्मानित किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सामाजिक संस्था विंध्याचल सोशल ग्रुप के अध्यक्ष आर.पी. शर्मा, सचिव दिलीप मिश्रा एवं मीडिया प्रभारी डॉ. आर.एन. मिश्रा ने बताया कि रीवा संभाग के मऊगंज जिला निवासी एवं अब इंदौर को अपनी कर्मभूमि बनाने वाले, विंध्याचल सोशल ग्रुप परिवार से वर्षों से जुड़े सदस्य श्रीनिवास द्विवेदी (पॉल्यूशन बोर्ड के अधिकारी) की पुत्री एवं ग्रुप की अभिन्न अंग समीक्षा द्विवेदी को यूपीएससी चयन परीक्षा में ऑल इंडिया में 56 वीं रैंक आने पर समाजजनों एवं ग्रुप द्वारा विंध्य गौरव अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उपस्थित होकर समीक्षा द्विवेदी को सम्मानित किया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामनाएँ कीं। उनकी इस उपलब्धि ने सिद्ध कर दिया है कि समर्पण, अनुशासन और निरंतर प्रयास से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

बंजारा समाज का 22 वां सामुहिक विवाह सम्मेलन नारी वंदन को समर्पित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सामुहिक विवाह सम्मेलन के संयोजक डॉ सुन्दर नायक एवं सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश मानावत ने जानकारी दी कि प्रतिवर्ष अनुसार इस बार भी 22 वां सामुहिक विवाह सम्मेलन मछली फार्म लिंबोदी क्षेत्र समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम गढ़ नवदुर्गा मंदिर परिसर मछली फार्म लिंबोदी क्षेत्र इन्दौर में 10 नव दंपति का सामुहिक विवाह सम्मेलन कम खर्चे में करके एक आदर्श प्रस्तुत किया। इस बार नारी वंदन को समर्पित इस कार्यक्रम में बेटी शिक्षा एवं दहेज न लेने का संकल्प सामुहिक समाजजनों को दिलाया गया। इस सामुहिक विवाह सम्मेलन में विशेषकर बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, दहेज न लेने के स्लोगन के बेनर पोस्टर के माध्यम से सामुहिक विवाह सम्मेलन परिसर पर संदेश देते हुए दिखाई दिए। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि इन्दौर लोकसभा सांसद शंकर लालवानी, पूर्व विधायक जीतू जिराती रहे। सामुहिक विवाह सम्मेलन संपन्न हुआ।

शनि जयंती पर सजेगा गजासीन शनि धाम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● उषा नगर स्थित गजासीन शनिधाम में महामंडलेश्वर डॉ. दादू महाराज के सानिध्य में शनि जयंती महोत्सव धूम धाम से मनाया जाएगा।

आगामी 16 मई को प्रात: 5 बजे से देर रात्रि तक महोत्सव आयोजित होगा। इस अवसर पर धाम को विद्युत साज सज्जा के साथ फूलों से सजाया जाएगा साथ ही प्रभु शनिदेव का विशेष पुष्प श्रृंगार व 56 भोग भी लगाया जाएगा। डॉ. दादू महाराज ने बताया कि 16 मई को शनिवार होने से यह दिन और भी महत्वपूर्ण दिन हो जाता हैं क्योंकि शनिवार शनिदेव का विशेषवार है। सर्वप्रथम प्रात: 5 बजे शनिदेव का विभिन्न तेल से पवित्र नदियों के जल से शनि महामंत्र के उच्चारणों के साथ अभिषेक किया जाएगा। प्रात: 8 बजे से 12 बजे तक पंच कुण्डी यज्ञ प्रारंभ होगा जिसमें 108 नामो से आहुतियां दी जाएगी। विशेष तौर पर शनि की प्रिय सामग्री से हवन होगा। हवन सामग्री जिसमें

इमरती, उड़द दाल भजिए, कमल गट्टा, नीले पुष्प, बादाम, पंच मेवा, शमी लकड़ी पत्ती, भैंसा गुगल, कपूर, गो घृत, काला तिल, जलेबी, सरसों तेल आदि महत्वपूर्ण सामग्री से किया जाएगा। दोपहर 12 बजे ढोल नगाड़े व जयकारों के साथ प्रभु शनिदेव की जन्म आरती की जाएगी। संध्या 6 बजे से सामूहिक सुन्दरकाण्ड पाठ किया जाएगा। इसके पूर्व संस्थान द्वारा सामूहिक 108, फिर 1100, फिर 2100 भक्तों द्वारा पाठ किया जा चुका हैं,अब.2100 पार का लक्ष्य रहेगा। सुन्दरकाण्ड में संध्या 5:30 बजे आगमन, संकल्प, पवित्रीकरण, स्थान ग्रहण होगा, संध्या 5:50 से शंखनाद, दीप प्रज्वलन, सुन्दरकाण्ड प्रारंभ होगा।

सावधान... शुरु हो गया विशेष अभियान, डीसीपी ने सडक़ पर उतरकर जगाया अलख, 15 दिन तक चलेगा हेलमेट को लेकर विशेष अभियान

बिना हेलमेट गाड़ी चलाई तो चालान के साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस कर देंगे सस्पेंड

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रविवार से पुलिस का विशेष हेलमेट अभियान शुरु कर दिया गया है। अभियान के प्रथम दिवस डीसीपी ट्रैफिक ने सडक़ पर उतरकर हेलमेट के लिए जागरुकता का अलख जगाया। जो वाहन चालक हेलमेट लगाकर वाहन चला रहे थे उनकी सराहना भी की। हेलमेट अभियान के तहत जागरुकता के साथ ही बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले को चालान भी बनाए जाएंगे, वाहन चालकों के लाइसेंस भी सस्पेंड करवाए जा सकते हैं।

रविवार को यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों पर व्यापक हेलमेट जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान डीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में यातायात टीम ने आमजन के बीच जाकर हेलमेट के महत्व को विस्तार से समझाया। बड़ा गणपति चौराहे पर विशेष रूप से अभियान संचालित करते हुए डीसीपी त्रिपाठी एवं अन्य अधिकारियों द्वारा उन दोपहिया वाहन चालकों को जिन्होंने नियमों का पालन करते हुए हेलमेट पहन रखा था उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप चॉकलेट एवं उपहार प्रदान किए गए। बिना हेलमेट वाहन चला रहे चालकों को रोककर उन्हें हेलमेट पहनने के महत्व के बारे में समझाया गया। डीसीपी त्रिपाठी ने माइक के माध्यम से यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट का नियमित उपयोग करने तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की गई। शहर के अन्य प्रमुख चौराहों पर भी इसी प्रकार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा नागरिकों को हेलमेट पहनने की शपथ दिलाई गई।

मौतों का कारण हेलमेट नहीं–प्रतिवर्ष सडक़ दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत मृत्यु दो पहिया वाहन चालकों की होती है, अधिकांश वाहन चालक द्वारा हेलमेट नहीं पहनने से वे मौत का शिकार होते हैं। इस गंभीर समस्या के समाधान हेतु हेलमेट की अनिवार्यता को सख्ती से लागू करने के लिए रविवार से 15 दिन तक हेलमेट को लेकर विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट के प्रति जागरूक करना, सडक दुर्घटनाओं की रोकथाम सुनिश्चित करना एवं ट्रैफिक नियमों के पालन को प्रोत्साहित करना है ताकि जनमानस में हेलमेट उपयोग के प्रति सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सके। अभियान के तहत शहर के प्रमुख चौराहे पर जागरूकता के साथ बिना हेलमेट वाहन चालकों पर कार्यवाही की जाएगी। हेलमेट जागरूकता रैली भी निकाली जाएगी। जरूरतमंद वाहन चालकों को हेलमेट वितरण व हेलमेट धारण करने वाले वाहन चालकों का सम्मान किया जाएगा। स्कूल, कॉलेज, कॉचिंग संस्थानों में रोड सेफ्टी सेशन का आयोजन भी होगा। हेलमेट धारण नहीं करने के दुष्प्रभावों व लगाने से सुरक्षा सम्बंधित शॉर्ट वीडियो, पोस्ट के साथ ही चौराहो पर लाउडस्पीकर से हेलमेट जागरूकता संदेश प्रसारित किए जाएंगे।

ड्रोन निगरानी-नियम उल्लंघन पर अब तक 2430 पर कार्यवाही–ट्रैफिक सुधार के लिए ड्रोन सर्विलांस के माध्यम से शहर के प्रमुख चौराहों एवं मुख्य मार्गों पर पिक आवर्स के दौरान निगरानी की जा रही है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध ड्रोन से प्राप्त इनपुट के आधार पर मौके पर तैनात यातायात पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई की गयी जिसमे नो पार्किंग, संकेत उल्लंघन, रांग साइड आदि पर कार्यवाही की गई। ड्रोन सर्विलास के दायरे को और अधिक विस्तारित करने के लिए यातायात के चारों जोनों में अलग अलग ड्रोन टीमों द्वारा लगातार पिक ऑवर्स में कार्य किया जा रहा है। ड्रोन सर्विलांस से अब तक नियम उल्लंघन करने वाले 2430 पर कार्रवाई की जा चुकी है।

बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 1479 वाहन चालकों के चालान

सडक दुर्घटनाओं में सिर की चोटों से होने वाली मौतों को रोकने तथा नागरिकों में सडक़ सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस द्वारा बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध निरंतर जागरूकता एवं सख्त कार्रवाई की जा रही है। प्रमुख चौराहो पर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर एक तरफ कार्रवाई भी की जा रही तो दूसरी तरफ उन्हें अनाउंस कर जागरुरक भी किया जा रहा है। शनिवार को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान 1479 वाहन चालकों के विरुद्ध हेलमेट नहीं लगाने पर कार्रवाई की गई।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, सोमवार 27 अप्रैल 2026

खाद, बीज और कीटनाशक विक्रेताओं की मांग, कारोबारी आज बंद रखेंगे कारोबार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एग्रो इनपुट डीलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) नई दिल्ली के आह्वान पर देशभर के करीब 5 लाख खाद, बीज एवं कीटनाशक तथा कृषि आदान विक्रेता अपनी मांगों के समर्थन में सोमवार को अपना कारोबार बंद रखेंगे। वे प्रत्येक जिला, ब्लाक, तहसील एवं विकास खंड स्तर पर प्रदर्शन कर जुलूस के रूप में अधिकारियों के दफ्तर पहुंचकर प्रधानमंत्री, कृषि मंत्री एवं उर्वरक मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी 6 सूत्रीय मांगों पर उनका ध्यानाकर्षण करेंगे।

इंदौर में भी पूरे जिले के करीब 3 हजार व्यापारी इस आंदोलन में शामिल रहेंगे। इंदौर-उज्जैन संभाग के करीब 5 हजार व्यापारी इस प्रदर्शन में भागीदार बनेंगे। इंदौर जिले की महू, देपालपुर, सांवेर, राऊ, हातोद, खुडैल एवं अन्य ब्लाकों पर भी यह आंदोलन चलाया जाएगा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनमोहन कलंत्री, इंदौर जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीकृष्ण दुबे, सचिव जितेन्द्र जैन एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय रघुवंशी ने बताया कि इंदौर-उज्जैन सहित जिला मुख्यालयों पर जिलाधीश, कृषि विभाग के अधिकारियों के माध्यम से दिए जाने वाले ज्ञापन में व्यापारियों ने मुख्य रूप से रासायनिक उर्वरक (खाद) की बिक्री के साथ अन्य गैर जरूरी उत्पादों की बिक्री को अनिवार्य करने का विरोध करते हुए आरोप लगाया है कि उर्वरक निर्माता कंपनियां सब्सिडी वाले खाद के साथ किसानों को अन्य उत्पाद खरीदने के लिए बाध्य करती है, जो किसानों का आर्थिक बोझ बढ़ाने वाला निर्णय है।

व्यापारियों पर आ रहा अतिरिक्त भार- इस जबरन लिंकिंग कारोबार को तत्काल बंद कर इसे अपराध घोषित कर पूरे देश में रोक लगाने, रासायनिक खाद की आपूर्ति व्यवस्था वर्तमान में जो डिलीवरी रेलहेड तक सीमित कर दी गई है, उसके कारण व्यापारियों को प्रति बैग 40 से 50 रुपए अतिरिक्त भार उठाना पड़ रहा है, जिसका सीधा नुकसान किसानों को हो रहा है। इसे भी फ्री ऑन रोड किया जाना चाहिए और खाद की डिलीवरी सीधे व्यापारी के विक्रय केंद्र तक सुनिश्चित बनाया जाना चाहिए। इसी तरह उर्वरक विक्रय के लिए डीलर का मार्जिन केवल डेढ़ प्रतिशत तय किया गया है, उसे बढ़ाकर 8 प्रतिशत करने, साथी पोर्टल की अनिवार्यता से ग्रामीण खुदरा व्यापारियों को मुक्त करने, बीज और कीटनाशक के नमूनों की जांच रिपोर्ट के मामलों में विक्रेता को सरकारी गवाह बनाने तथा एक्सपायर्ड कीटनाशकों अथवा पुराने स्टॉक को निर्माता कंपनियों को वापस लेने की अनिवार्यता लागू करने तथा नए बीज अधिनियम एवं कीटनाशक विधेयक 2025 के कुछ प्रावधानों में संशोधन की मांग भी इस ज्ञापन में की जा रही है।

श्री राजेशसिंह तोमर प्रदेश अध्यक्ष बने

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●राजपूत समाज चेतना मंडल के प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण दायित्व के लिए राजेश सिंह तोमर को चुने जाना आपके समर्पण और समाज सेवा का ही परिणाम है। हमें पूरा विश्वास है कि आपके नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयां छुएगा और प्रदेश भर में समाज के उत्थान के लिए एक मजबूत, समर्पित टीम तैयार होगी। आपसे जुड़ी हर अपेक्षा पर आप खरे उतरेंगे। राजपूत समाज चेतना मंडल के संयोजक रतनसिंह राजपूत, शहर अध्यक्ष गजराजसिंह सोलंकी, जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) दुलेसिंह राठौड़ , सचिव सत्येंद्रसिंह चौहान, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष मोनिका बैस, संयोजिका अनुराधा चौहान आप सभी ने तोमर को नए दायित्व के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है

भीषण गर्मी को देखते हुए विधायक गोलु शुक्ला द्वारा 51 हजार छाछ के पैकेट का वितरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●इंदौर में भीषण गर्मी को देखते हुए राजबाड़ा चौक पर आम जनता के लिये विधानसभा क्षेत्र क्रं 3 के लोकप्रिय एवं सनातनी विधायक गोलू शुक्ला जी द्वारा 51 हजार ठंडाई (छाछ) के पैकेट का वितरण किया गया। जिससे भीषण गर्मी में आम जनता को गर्मी से राहत मिल सके। छाछ के पैकेट के वितरण के दौरान माता-बहनें, बुजुर्ग एवं बच्चे विधायकजी की इस पहले से अत्यंत प्रसन्नचित्त नजर आ रहे थे एवं सनातनी विधायक श्री गोलु शुक्ला जी की प्रशंसा कर रहे थे। छाछ के पैकेट का वितरण की व्यवस्था विधानसभा क्षेत्र क्रं 3 मंडल अध्यक्षों एवं प्रमुख कार्यकर्ताओं संभाल रखी थी।

छाछ वितरण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दीपेन्द्रसिंह सोलंकी, आदित्य दीक्षित, विशाल यादव, रानू अग्रवाल, नितिन शर्मा, दीपेश पचौरी, चन्द्रभानसिंह सोलंकी, रितेश विरांग, आशीष शर्मा, बंटी वर्मा, रूपाली पेढांरकर, भावना सुंदरलाल चौधरी, भरत खस, जयंत पांचाल, अरूण पेढारकर, शिव वर्मा, राहुल राणे, संजय कौशिक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित थे।

बजरंग दल ने सिंग, हड्डी, चमड़े भरा ट्रक पकड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●शहर के रालामंडल बायपास क्षेत्र में रविवार को एक संदिग्ध ट्रक पकड़े जाने का मामला सामने आया है। 'बजरंग दल के प्रदीप सिंह ठाकुर जिला प्रवक्ता प्रमुख ने बताया कि ट्रक का पीछा करते हुए उसे रोकने का प्रयास किया। इसके बावजूद चालक ने ट्रक को नहीं रोका और रालामंडल ब्रिज के पहले ट्रक खड़ा करके चालक व उसके चार-पांच साथी भाग गए ट्रक में हड्डी, चमड़ा सिंग बाहर से दिख रहे हैं ट्रक को खोलने पर अंदर क्या-क्या है दिखेगा घटना की सूचना पुलिस प्रशासन के साथ-साथ विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों को दे दी गई है।

ट्रंप की भारत के प्रति अपमानजनक टिप्पणी से भड़के शहर के संत, विद्वान और समाजसेवी, किया सदबुद्धि महायज्ञ एवं हवन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पूरे विश्व को गैस एवं तेल की आपूर्ति के संकट की आग में झोंकने, दुनिया के छोटे देशों को आर्थिक नुकसान पहुँचाने और विश्व गुरु जैसे अलंकरणों की ओर तेजी से बढ़ रहे भारत को 'नरक' बताने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने देश के 140 करोड़ भारतीयों और सनातन धर्मावलम्बियों का अपमान किया है। ट्रंप सत्ता के मद में डूबकर यह भूल गए हैं कि अमेरिका में मेडिकल और आईटी सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय प्रतिभाओं के कारण ही उनका देश आज दुनिया का पटेल बन सका है। उन हिन्दुस्तानियों का सम्मान करने और भारत के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के बजाय ट्रम्प भारत को ही 'नरक' बताने की हिमाकत कर रहे हैं जो किसी भी स्थिति में बर्दाश्त करने लायक नहीं है। रविवार को प्राचीन हंसदास मठ पर सनातन संस्कृति संस्थान एवं श्रद्धा सुमन सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान एवं शहर के प्रमुख संत, विद्वानों, आचार्यों और महामंडलेश्वरों के सानिध्य में आयोजित सदबुद्धि महायज्ञ एवं हवन अनुष्ठान के दौरान वक्ताओं ने इन शब्दों में अपना आक्रोश और नाराजगी व्यक्त की। कार्यक्रम संयोजक सनातन संस्कृति संस्थान के हरि अग्रवाल एवं अशोक गोयल ने बताया कि इस अवसर पर हंसदास मठ के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी रामचरण दास महाराज, स्वामी अमितदास सहित अनेक संतों ने यज्ञ-हवन में आहुतियाँ समर्पित कर ट्रम्प को सदबुद्धि प्रदान करने की कामना भी की और सनातन धर्म को और अधिक सुदृढ़ बनाने का संकल्प भी व्यक्त किया।

भोपाल की ताल के चौपाल से

सत्ता के गलियारों में रौब, रोष और रील का रियलिटी शो!

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्यप्रदेश के सत्ता गलियारों में इन दिनों कई चर्चित घटनाएं सामने आई हैं। इनमें मंत्री की गालियां, अफसरों की बेचैनी, महंगे गिफ्ट, और किसानों के मुद्दे पर श्रेय की सियासत प्रमुख हैं। वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के कॉलम बोल हरि बोल में पढ़िए इन घटनाओं के बारे में विस्तार से... सत्ता और सिस्टम के बीच खिंची अदृश्य रेखाओं पर इन दिनों हलचल कुछ ज्यादा ही है। कभी मंत्रीजी आईएएस से गाली-गलौज करते हैं, तो कभी अफसर खुद अपनी पोस्टिंग के लिए बेचैन नजर आते हैं। कहीं एक गिफ्ट चर्चा का कारण बन जाता है, तो कहीं नियुक्तियों के फैसले सियासी समीकरणों को उलझा देते हैं। उधर, किसानों के मुद्दे पर श्रेय की सियासत गरमा रही है और इधर कलेक्टर साहब की रील नेताजी की पूरी रणनीति पर भारी पड़ रही है। कुल मिलाकर, मध्यप्रदेश के राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में इन दिनों हर दिन एक नई कहानी बन रही है। इसमें तड़क-भड़क भी है, तंज भी और ताज्जुब भी।

हमारे मंत्री ने ले ली आईएएस की क्लास

कल तक राजशाही मानी जाने वाली आईएएस-आईपीएस की नौकरी का हाल इन दिनों बाबुओं से बुरा हो गया है। अब देखिए न, बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी और आईपीएस आयुष जाखड़ का मामला ठंडा भी नहीं हुआ कि दूसरा मामला उबाल मारने की तैयारी में आता दिख रहा है। एक कद्दावर मंत्रीजी के पीए लोगों में रौब झाड़कर कहते फिर रहे हैं कि साहब ने एक आईएएस अफसर की लू उतार दी है। पीए का कहना है कि मंत्रीजी ने जानबूझकर कलेक्टर-कमिश्नर के सामने युवा आईएएस अफसरों को गालियां दीं, ताकि दोनों ही अलर्ट रहें कि उन्हें हल्के में नहीं लेना है। मजे की बात ये है कि मंत्रीजी गुस्सा उतरने के बाद इस मामले में चुप हैं। लेकिन चाय से ज्यादा गरम केतली का क्या करेंगे? पीए साहब मंत्रीजी की बहादुरी का गुणगान कर रहे हैं। शायद पीए समझ नहीं पा रहे कि यदि युवा आईएएस ने इस मामले में एसोसिएशन या मुख्यमंत्री को शिकायत कर दी तो मामला गरमा सकता है। बहरहाल, मामला हमारे संज्ञान में आया है। तह तक जाना जरूरी है। जल्द ही हम पूरे मामले का खुलासा करेंगे कि आखिर मंत्रीजी ने युवा आईएएस को गालियां क्यों दीं!

पंडितजी कलेक्टरी के लिए बेचैन

एक प्रमोटी आईएएस अफसर दूसरी बार कलेक्टर बनने के लिए बेचैन हैं। ये साहब जिले में जाने के लिए हर जगह हाथ-पैर मार रहे हैं। जैसे-तैसे सेटिंग करके पिछली लिस्ट में नाम जुड़वा भी लिया था, लेकिन बड़े साहब ने लाल पेन चला दिया। दरअसल, इन साहब का दर्द है कि उनके बैच के साथियों ने एक से ज्यादा बार कलेक्टरी कर ली, लेकिन उन्हें एक जिले के बाद चलता कर दिया। तत्कालीन मुख्य सचिव इकबाल सिंह के करीबी होने के कारण इस प्रमोटी अफसर को मनपसंद का जिला मिला था। मैदानी रिपोर्ट अच्छी न होने के बावजूद ये टिके रहे। डॉक्टर साहब के आते ही इन्हें हटाया गया। हालांकि इनके रिश्तेदार डॉक्टर साहब के करीबी हैं, इसलिए इन्हें एक संचालनालय की जिम्मेदारी मिल गई। लेकिन पंडितजी का मन तो कलेक्टरी में ही लगा हुआ है।

गिफ्ट लेकर फंसी महिला आईएएस

महिला आईएएस महंगे गिफ्ट को लेकर चर्चा में हैं। जबकि महिला आईएएस ने न तो कुछ गलत किया ना ही गिफ्ट मांगा था। आदिवासी महकमे के एक अफसर की लापरवाही से महिला आईएएस चर्चा में आ गईं। दरअसल, मैडम का कलेक्टरी से तबादला हुआ तो जिले के अधिकारी-कर्मचारियों ने मैडम के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया। इस आयोजन में मैडम को किसी ने गुलदस्ता दिया तो किसी ने छोटा-मोटा गिफ्ट देकर सम्मान किया। लेकिन आदिवासी महकमे के एक अफसर ने एप्पल का एक बड़ा बैग गिफ्ट में दे दिया। कहा जा रहा है कि इसमें महंगा वाला लैपटॉप और लेटेस्ट आईफोन था। साहब यहीं नहीं रुके, उन्होंने मैडम को यह महंगा वाला गिफ्ट देते हुए फोटो खिंचवाकर अपने सोशल मीडिया पर डाल दी। बस यहीं से मैडम महंगा गिफ्ट लेने के नाम पर चर्चा में आ गईं। बेचारी अब किसी से कुछ कहे भी तो क्या कहे, क्योंकि सिविल सर्विस रूल में महंगे गिफ्ट लेने के भी अपने नियम हैं; उसकी जानकारी सरकार को देनी होती है। आदिवासी विभाग के साहब खुद तो फंसे ही, साथ में मैडम को भी उलझा दिया।

कैसे हो गई इनकी नियुक्ति?

निगम-मंडल में नियुक्तियों की कवायद के बीच एक ऐसा फैसला भी सामने आया है, जिसने सियासी हलकों में बहस छेड़ दी है। इसे सामाजिक संतुलन साधने की कोशिश माना जाए या जल्दबाजी में लिया गया फैसला, पर बीजेपी और सरकार दोनों की किरकिरी हो रही है। दरअसल, यह मामला मछुआ कल्याण बोर्ड से जुड़ा है, जहां निवाड़ी जिले के महेश केवट को अध्यक्ष बनाकर राज्यमंत्री का दर्जा दे दिया गया है। कहानी यहीं से शुरू होती है। महेश केवट को वर्ष 2022 में पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में छह साल के लिए निष्कासित किया गया था। इसका सीधा अर्थ है कि उनका निष्कासन काल अभी खत्म नहीं हुआ है। ऐसे में उसी अवधि के भीतर उन्हें बोर्ड की जिम्मेदारी और राज्यमंत्री का दर्जा मिलना कई सवाल खड़े कर रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि विरोध सिर्फ विपक्ष तक सीमित नहीं है। पार्टी के भीतर भी इस फैसले को लेकर असहजता महसूस की जा रही है। संगठन के कुछ नेता इसे अनुशासन और निर्णय प्रक्रिया के मानकों के खिलाफ मान रहे हैं। सवाल उठ रहा है कि जब निष्कासन की कार्रवाई अभी प्रभावी है, तो फिर यह नियुक्ति किस आधार पर की गई?

किसानों का मसीहा कौन?

सियासत में पूरा खेल जमावट, दिखावट और सजावट का होता है। अब देखिए ना, मध्यप्रदेश में एमएसपी पर गेहूं खरीदी को लेकर उठी हलचल के बीच पूरी कवायद श्रेय पर जा अटकी है। डॉक्टर साहब यानी सीएम डॉ. मोहन यादव ने केंद्र सरकार को गेहूं खरीदी का कोटा बढ़ाने के लिए पत्र लिखा। फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वस्तु स्थिति बताई। वे यहीं नहीं रुके। इसके बाद सोशल मीडिया के जरिए मन की बात की। इन सबके बीच मामा ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर डाली। सोशल मीडिया के जरिए किसानों के संकट हरने की बात कही। दूसरी ओर मामा की सोशल मीडिया मशीनरी भी बारीकी से नैरेटिव गढ़ने में जुटी रही। पोस्टर तैयार हुए, संदेश गढ़े गए। पूरा जोर इस बात पर रहा कि तस्वीर के केंद्र में मामा ही समाधान के चेहरे के रूप में दिखें। कुल मिलाकर एमएसपी पर मुद्दा मामा वर्सेज भैया हो गया है। अब किसान कह रहे हैं कि हमारा असल मसीहा कौन है? इधर, जानकारों का कहना है कि पार्टी में ही दो फाड़ हुआ पड़ा है, विपक्ष को तो कुछ करने की ही जरूरत नहीं है।

कलेक्टर साहब काम करते हैं...

प्रशासनिक हलकों में अक्सर यह बहस चलती रहती है कि मध्यप्रदेश के किस जिले में बेहतर काम हो रहा है। हर किसी के पास अपने-अपने उदाहरण हैं। लेकिन इन दिनों सोशल मीडिया की अदालत में फैसला कुछ और ही है। यहां तो चर्चा चंबल अंचल के एक जिले की सबसे ज्यादा है। यहां के कलेक्टर और कप्तान साहब की जोड़ी को परफेक्ट सिंक कहा जा रहा है। दोनों की जमीनी सक्रियता गजब की है। इसी के साथ डिजिटल मौजूदगी भी कम दिलचस्प नहीं है। फर्क बस इतना है कि यह काम फाइलों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सीधा सोशल मीडिया पर पहुंच जाता है और यहीं से कहानी बनती है। कहने वाले तो यहां तक कहते हैं कि कलेक्टर साहब की यह सक्रियता इस इलाके के नेताजी पर भी भारी पड़ रही है। पद न होने की वजह से नेताजी सोशल मीडिया पर मौजूदगी से अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश करते हैं, लेकिन कलेक्टर साहब की एक रील उस पूरी कोशिश पर भारी पड़ जाती है। अब कलेक्टर साहब का गांव में रात बिताने का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। वे चारपाई पर गहरी नींद में नजर आ रहे हैं। उनके चाहने वाले कह रहे हैं कि साहब वर्कहोलिक हैं। आप बताएं, क्या विचार हैं आपके?

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रार्पटी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

हरिधाम पर अधिकमास में होगा श्रीराम कथा एवं हनुमत महायज्ञ का दिव्य आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हवा बंगला कैट रोड स्थित हरिधाम पर आश्रम के संस्थापक साकेतवासी महंत घनश्यामदास महाराज की प्रेरणा से महंत शुकदेव दास महाराज के सानिध्य में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में श्रीराम कथा, पंचकुण्डीय श्रीहनुमत महायज्ञ एवं विशाल भंडारे के अनुष्ठान होंगे। राष्ट्र उत्थान, जन कल्याण एवं भक्तों की कार्यसिद्धि के लिए हो रहे इन कार्यक्रमों में शहरी क्षेत्र सहित आसपास के 25 गांवों के श्रद्धालु भागीदार बनेंगे। हरिधाम लोक मंगल न्यास की बैठक शनिवार को हरिधाम पर महंत शुकदेवदास महाराज के सानिध्य में आयोजित की गई।

श्री गुरु रविदास विश्वमहापीठ के नवनियुक्त पदाधिकारीयो का नियुक्ती पत्र वितरण समारोह संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक एकता के अद्भुत वातावरण में श्री गुरु रविदास विश्वमहापीठ जिला इन्दौर के नवनियुक्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी का नियुक्ति पत्र वितरण समारोह बड़े ही गरिमामय और भावनात्मक वातावरण में संपन्न हुआ। यह अवसर केवल नियुक्ति पत्र वितरण का नहीं, बल्कि समाज सेवा, संगठन शक्ति और गुरु रविदास महाराज जी के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने के संकल्प का प्रेरणादायक उत्सव बन गया। कार्यक्रम में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके प्रेरणादायक उद्बोधन ने उपस्थित जनसमूह में नई ऊर्जा और उत्साह का

संचार किया। विशेष अतिथि के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता अनील वर्मा, जाटव समाज के अध्यक्ष पृथ्वीराज उस्ताद, अहिरवार 11 पंच कमेटी के अध्यक्ष करण गोलीया तथा अजा मोर्चा इन्दौर संभाग प्रभारी एवं श्री गुरु रविदास विश्वमहापीठ भारत के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश मोहने की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को ऐतिहासिक बना दिया। जब नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए, तब उनके चेहरों पर समाज सेवा का उत्साह, जिम्मेदारी का भाव और संगठन के प्रति समर्पण स्पष्ट दिखाई दे रहा था। उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गूंज के साथ उनका स्वागत कर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। समारोह का सबसे भावुक क्षण तब आया जब विश्वमहापीठ के प्रदेश उपाध्यक्ष विजय रोजिया का जन्मदिवस हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ मनाया गया। वरिष्ठजनों ने उन्हें साफा बांधकर एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया। पूरा वातावरण शुभकामनाओं, प्रेम और अपनत्व से सराबोर हो उठा।

सम्पादकीय

बढ़ता शोर, घटती सेहतः आखिर कब थमेगा ध्वनि प्रदूषण का कहर?

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने राष्ट्रीय राजधानी में नियमों को सख्ती से लागू करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई, उचित निगरानी और जुर्माना अनिवार्य कर दिया गया है। महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक में दूषित हवा के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण भी एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। विभिन्न अध्ययन रपटों में यह बात सामने आई है कि ज्यादातर बड़े शहरों में शोर का स्तर तय मानकों से काफी अधिक है। इसका मानव स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है और बहरापन, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, नींद की कमी तथा मानसिक तनाव जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसी के मद्देनजर हाल में दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने राष्ट्रीय राजधानी में नियमों को सख्ती से लागू करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई, उचित निगरानी और जुर्माना अनिवार्य कर दिया गया है। मगर सवाल है कि क्या कागजों में कड़े प्रावधान कर देने से ध्वनि प्रदूषण को रोका जा सकता है? इससे संबंधित नियम-कानून से लेकर अदालतों के आदेश पहले से मौजूद हैं, तो फिर नए निर्देश जारी करने की जरूरत क्यों पड़ी? जाहिर है कि कार्यान्वयन में कई स्तरों पर लापरवाही बरती जा रही है। गौरतलब है कि ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 को पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत लागू किया गया था। इन नियमों का उद्देश्य लाउडस्पीकर, वाहनों के हार्न, निर्माण कार्य और औद्योगिक मशीनों जैसे सभी स्रोतों से ध्वनि के स्तर को नियंत्रित कर जनस्वास्थ्य तथा पर्यावरण की सुरक्षा करना है। नियमों में विभिन्न क्षेत्रों के लिए दिन और रात के समय ध्वनि के मानक तय किए गए हैं, जिनमें संबंधित प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना रात दस बजे से सुबह छह बजे के बीच लाउडस्पीकर के उपयोग पर प्रतिबंध भी शामिल है। मगर इन नियमों को जमीनी स्तर पर लागू करने का जिम्मा संभाले प्राधिकारियों के दायित्व, निष्पक्षता और ईमानदारी पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। आलम यह है कि कई जगह ध्वनि प्रदूषण को मापने के लिए लगाए गए यंत्र निष्क्रिय पड़े हैं और जहां ये यंत्र काम कर रहे हैं, उनमें दर्ज आंकड़ों का भी शोर कम करने के उपायों में समुचित इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है। इससे स्पष्ट है कि जब तक अधिकारियों के स्तर पर जवाबदेही तय नहीं की जाएगी, तब तक किसी भी नियम और दिशा-निर्देश का असर धरातल पर नजर नहीं आएगा।

कानून हैं, योजनाएं हैं, फिर भी सीवर में मौतें - आखिर जिम्मेदार कौन?

शहरों की चमक जब स्वच्छता के दावों से आत्ममुग्ध होकर दमकती है, उसी क्षण उसी चमक के भीतर छिपा अंधकार चुपचाप इंसानी जिंदगियों को निगलता चला जाता है। मार्च 2026 की शुरुआत में स्वच्छता के शिखर पर खड़े इंदौर में, चोइथराम मंडी गेट के पास एक सीवर चैंबर दो जिंदगियों का अंत बन गया—करण यादव और अजय डोडी जहरीली गैसों के कारण दम घुटने से काल के गाल में समा गए। बिना किसी सुरक्षा उपकरण के वे उस घातक गहराई में उतरे; एक के अचेत होते ही दूसरा उसे बचाने भीतर गया, पर दोनों ही वापस नहीं लौट सके। यह घटना महज एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा नहीं, बल्कि उस विफल व्यवस्था की कठोर सच्चाई है, जो अपने सबसे कमजोर कर्मियों को सुरक्षित रखने में बार-बार असफल साबित हो रही है।

पीड़ा की यह आग अभी ठंडी भी नहीं पड़ी थी कि कुछ ही सप्ताह बाद 15 अप्रैल 2026 को हरियाणा के नूह जिले के फिरोजपुर झिरका में वही भयावह दृश्य फिर दोहराया गया। पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग विभाग के ठेकेदार ने तीन मजदूरों को बिना किसी सुरक्षा उपकरण के सीवर में उतार दिया, जहां जहरीली गैसों ने दो जीवन—राजेंद्र कुमार और अब्दुल कलाम—को निगल लिया, जबकि तीसरा मजदूर गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचा। इस तरह की लगातार होती घटनाएं यह साफ संकेत देती हैं कि यह कोई अपवाद नहीं, बल्कि एक खतरनाक और स्थापित होती जा रही व्यवस्था बन चुकी है। देश के अलग-अलग कोनों में फैली यह मौतें बार-बार यह कठोर सवाल खड़ा करती हैं कि आखिर कब तक गरीब मजदूर अपनी जान की कीमत पर हमारी स्वच्छता की जिम्मेदारी ढोते रहेंगे। संवैधानिक अधिकारों और मानव गरिमा की रक्षा के दावों के बीच भी इन घटनाओं की अनदेखी संभव नहीं रह सकी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इंदौर मामले पर 5 मार्च 2026 और नूह मामले पर 24 अप्रैल 2026 को स्वतः संज्ञान लेते हुए अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के गाइडलाइंस का हवाला देकर स्पष्ट किया कि बिना सुरक्षा उपकरणों के सीवर में उतरना मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। रिपोर्ट में सुरक्षा उपकरणों की कमी, ठेकेदारी व्यवस्था की खामियां और मुआवजे की स्थिति पर विशेष

ध्यान दिया गया। यह हस्तक्षेप दिखाता है कि यह समस्या केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और प्रशासनिक विफलता का परिणाम भी है। सांख्यिकीय सच्चाइयों की परतें जैसे-जैसे खुलती हैं, यह संकट और अधिक भयावह रूप लेता है। सफाई कर्मचारी आंदोलन के अनुसार 2014 से 2025 के बीच 859 सफाई कर्मियों की जान सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई में गई। 2017 से मार्च 2026 तक 622 मौतें दर्ज हुईं, जबकि 2026 के पहले चार महीनों में ही 50 से अधिक मौतें हो चुकी हैं। सरकारी आंकड़े अक्सर कम बताते हैं, जबकि वास्तविकता कहीं अधिक कठोर है। हर साल औसतन 80 से 130 सफाई कर्मी हाइड्रोजन सल्फाइड और मीथेन जैसी जहरीली गैसों से दम घुटने के कारण जान गंवा रहे हैं। ये आंकड़े केवल संख्या नहीं, बल्कि उन परिवारों की टूटी हुई कहानियां हैं जिन्होंने अपने अपनों को हमेशा के लिए खो दिया है।

कानूनों और न्यायिक आदेशों की मौजूदगी के बावजूद जमीन पर बदलाव न दिखना इस व्यवस्था की सबसे बड़ी विडंबना है। 2013 का मैनुअल स्कैवेंजिंग निषेध और पुनर्वास अधिनियम इस अमानवीय प्रथा पर रोक लगाता है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने मैकेनाइज्ड सफाई अनिवार्य करते हुए मृतक परिवारों को 30 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। फिर भी इंदौर और नूह मामलों में मुआवजे की घोषणा के बावजूद सवाल बना रहता है कि क्या केवल आर्थिक सहायता पर्याप्त है? ठेकेदारों की लापरवाही, सुरक्षा उपकरणों की कमी और कमजोर निगरानी व्यवस्था इन कानूनों को कागजों तक सीमित कर देती है। घोषित नीतियों और धरातल की सच्चाई के बीच की दूरी लगातार बढ़ती जा रही है। स्वच्छ भारत मिशन-2 और 'नामास्ते' जैसी योजनाओं में मैकेनाइज्ड सफाई तथा सफाई कर्मियों के कल्याण पर विशेष जोर दिया गया है, जिसके लिए हजारों करोड़ रुपये भी आवंटित किए गए हैं। इसके बावजूद इंदौर जैसे शहरों में आधुनिक मशीनें होते हुए भी उनका नियमित उपयोग नहीं किया जाता, जबकि नूह जैसे क्षेत्रों में ठेकेदार जिम्मेदारी से बच निकलते हैं। सस्ती मजदूरी के लालच में मानव जीवन को जोखिम में डाल दिया जाता है और इस पूरे तंत्र का सबसे भारी बोझ दलित समुदाय पर पड़ता है, जो आज भी सामाजिक भेदभाव और उपेक्षा झेल रहा है। इस संकट के समाधान की मांग अब केवल आवश्यकता नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुकी है। अब समय है कि केवल घोषणाओं से आगे बढ़कर ठोस और कठोर कदम उठाए जाएं। हर शहर में 100% मैकेनाइज्ड सफाई अनिवार्य हो, ताकि कोई मजदूर जान जोखिम में डालकर सीवर में न उतरे। ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई—भारी जुर्माना, ब्लैकलिस्टिंग और कानूनी दंड—तुरंत लागू किया जाए। प्रत्येक मृत्यु पर 30 लाख रुपये मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को नौकरी और बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही सफाई कर्मियों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच, बीमा और प्रशिक्षण अनिवार्य हों, ताकि उनकी सुरक्षा और सम्मान वास्तविक रूप से सुनिश्चित हो सके। यह स्थिति हमारी सामाजिक चेतना और जिम्मेदारी पर सीधा प्रश्न उठाती है कि जब हर महीने सफाई कर्मी जान गंवा रहे हैं, तो स्वच्छता अभियान वास्तव में किसके लिए है। इंदौर जैसे स्वच्छता के प्रतीक शहर और नूह जैसे क्षेत्र भी इस त्रासदी से अछूते नहीं हैं, तो छोटे शहरों और गांवों की स्थिति सहज ही समझी जा सकती है। यदि इन अज्ञात नायकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकी, तो हमारी उपलब्धियां खोखली साबित होंगी। अब समय है कि नारों से आगे बढ़कर वास्तविक कदम उठाए जाएं, अन्यथा हर मौत हमें याद दिलाती रहेगी कि स्वच्छता की कीमत किसी और की जिंदगी है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)

हर चौराहे पर चंद लोगों का मजा बन जाता है सैकड़ों की सजा

हम 'समय को धन' मानते हैं, शायद इसीलिए सड़कों पर हम दूसरों का समय लूटने में आनंद का अनुभव करते हैं। इंदौर जैसे जीवंत शहर की सड़कों पर रोज़ाना दिखने वाले दृश्य एक ट्रैफिक समस्या भर नहीं, बल्कि हमारे सामूहिक मनोविज्ञान की विकृति का नग्न प्रदर्शन है। शायर मुज़फ़्फ़र रज़्मी कैरानवी का वह कालजयी शेर 'लम्हों ने ख़ता की थी, सदियों ने सज़ा पाई' आज के दौर में ट्रैफिक सिग्नल्स पर पूरी तरह चरितार्थ होता है। मुहाने पर खड़े लोगों का चंद सेकंड का उतावलापन हज़ारों लोगों के घंटों और मानसिक शांति को लील जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार ट्रैफिक सिग्नल पर अनुशासनहीनता के पीछे तीन प्रमुख मनोवैज्ञानिक कारक काम करते हैं। पहला है मी-फर्स्ट सिंड्रोम यानी स्वार्थ का मनोविज्ञान। मनोवैज्ञानिक इसे 'इगोसेंट्रिक बायस' कहते हैं। चालक को लगता है कि उसका समय बाकियों से अधिक महत्वपूर्ण है। उसे अन्य वाहन 'बाधा' के रूप में नज़र आते है। दूसरा कारण है, सामूहिक गैर-ज़िम्मेदारी, जब हर कोई नियम तोड़ रहा होता है, तो 'अकेले मेरे सुधरने से क्या होगा?' वाला भाव जागृत होता है जो अराजकता को सामान्य और स्वीकार्य बना देता है। तीसरा बड़ा कारण है, पीछे छूट जाने का डर, वाहन चालकों में यह डर बना रहता है कि अगर उन्होंने 'कट' मारकर जगह नहीं बनाई, तो वे पीछे छूट जाएंगे और सिग्नल फिर से लाल हो जाएगा।

जब सिग्नल लाल से हरा होता है, तो सुचारु प्रवाह के लिए 'लैमिनार फ्लो' की आवश्यकता होती है। लेकिन जब कुछ चालक आड़े-तिरछे वाहन फंसा देते हैं, तो वह प्रवाह 'टर्बुलेंट' हो जाता है। शोध बताते हैं कि यदि कतार के पहले पांच वाहन अनुशासित हों, तो सिग्नल से वाहन निकलने की क्षमता 50% तक बढ़ जाती है। इसके विपरीत, मुहाने पर की गई एक छोटी सी घुसपैठ पीछे एक लंबी 'शॉकवेव' पैदा करती है, जिससे जाम की लंबाई बढ़ने लगती है। इस समस्या का समाधान केवल पुलिस द्वारा चालान काटने में नहीं, बल्कि लोगों के व्यवहार परिवर्तन में निहित है। इसके लिए, जरूरी है कि लेन नियम का पालन स्वअनुशासन से किया जाय। चौराहे पर 'स्टॉप लाइन' से पहले ही वाहनों को अपनी दिशा के अनुसार खड़ा होना चाहिए। जो लेफ्ट मुड़ना चाहते हैं, वे लेफ्ट में रहें ताकि 'फ्री लेफ्ट' बाधित न हो। गलत आचरण पर रोक लगाने के लिए, कैमरों की संख्या बढ़ाई जाए और 'ज़िग-ज़ैग' ड्राइविंग पर भारी जुर्माने का प्रावधान किया जाना चाहिए। जो चालक नियमों का पालन करते हैं, उन्हें 'ट्रैफिक हीरो' जैसे सम्मान दिए जाएं। साथ ही, नियम तोड़ने वालों के फुटेज सार्वजनिक स्क्रीन और सोशल मीडिया पर दिखाए जाएं। ड्राइविंग लाइसेंस मिलने की प्रक्रिया में 'ट्रैफिक साइकोलॉजी' का एक अनिवार्य अध्याय जोड़ा जाना चाहिए। सड़क पर हमारा व्यवहार इस बात का परिचायक है कि हम कितने सभ्य और संवेदनशील हैं। यातायात जाम अचानक आसमान से नहीं टपकता; वह हमारी छोटी स्वार्थी हरकतों की पैदावार है। इंदौर को केवल स्वच्छता में ही नहीं, बल्कि 'सड़क संस्कार' में भी नंबर-1 बनने की आवश्यकता है। याद रखिए, जब आप किसी मोड़ पर नियम तोड़कर आगे निकलने की कोशिश करते हैं, तो आप केवल एक वाहन से आगे नहीं निकलते, बल्कि शहर की उस व्यवस्था को पीछे धकेल देते हैं जिसका हिस्सा आप खुद हैं। अनुशासन ही वह सेतु है जो 'अराजकता' को 'सुव्यवस्था' से जोड़ता है।

-राजकुमार जैन,
यातायात प्रबन्धन विशेषज्ञ

आंचलिक

टिमरू फल की आवक, किसान 80-100 रुपए किलो बेच रहे

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर ● बाजार में रविवार को दुर्लभ टिमरू फल की आवक शुरू हुई। ग्राम बोरलाइ के किसान मोहन डावर इसे बेचने सब्जी मंडी पहुंचे। यह फल 80 से 100 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव से बिका, जिसकी लोगों ने जमकर खरीदी की। मोहन डावर ने बताया कि टिमरू फल का उपयोग उपवास में भी किया जाता है। क्षेत्र में अब इसके बहुत कम पेड़ बचे हैं, जिससे यह फल बाजार में मुश्किल से ही देखने को मिलता है। ग्रामीण अंचल के वनों में पाए जाने वाले इस फल का वानस्पतिक नाम डायोस्पोरस मेलानोजायलोन है। आदिवासी समाज के लोग गर्मी के मौसम में घर से निकलने से पहले टिमरू के पके फल खाते हैं, ताकि गर्मी के प्रकोप से उनकी सेहत को कोई नुकसान न हो। इसके फलों का रस खून को कमी वाले रोगियों को भी दिया जाता है।

मनावर और उमरबन के आदिवासी पहाड़ी क्षेत्रों में वनों की अंधाधुंध कटाई के कारण जड़ी-

बूटियां और वनोपज प्रदान करने वाली वनस्पतियां तेजी से लुप्त होती जा रही हैं। टिमरू फल भी इन्हीं लुप्तप्राय प्रजातियों में से एक है। यह फल जंगलों में पाया जाता है और पकने के बाद बहुत स्वादिष्ट हो जाता है। टिमरू फल दिखने में पीला, नारंगी या लाल हो सकता है। यह विशेष रूप से गर्मियों के मौसम में आता है, जिसके लिए लोगों को साल भर इंतजार करना पड़ता है।

आंधी, बारिश से शादी में लगा टेंट उखड़कर हाईवे पर पहुंचा, मौसम में आई ठंडक

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● घटाबिल्लौद में दिन भर की गर्मी के बाद आंधी और बारिश हो गई। इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक शादी समारोह का टेंट उड़कर हाईवे पर आ गिरा। घटना के समय वहां से गुजर रहे एक राहगीर ने इसका वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर सामने आया है। टेंट का एक बड़ा हिस्सा सड़क पर पड़ा देखा जा सकता है। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं मिली है। यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि टेंट किस स्थान से उड़कर हाईवे तक पहुंचा था। लंबे समय से पड़ रही भीषण गर्मी के बाद आए इस मौसम बदलाव से लोगों को कुछ राहत मिली है। हालांकि, तेज आंधी और बारिश ने जनजीवन को भी प्रभावित किया है।

पुराना माखनलाल विवि परिसर बंद

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● निमाड़ अंचल में 25 साल से संचालित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय का खंडवा परिसर अब पूरी तरह बंद कर दिया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी नए शैक्षणिक सत्र के प्रवेश विज्ञापन में खंडवा केंद्र का नाम शामिल नहीं है। प्रबंधन और कुलपति विजय मनोहर तिवारी ने इसे आर्थिक रूप से घाटे का सौदा बताते हुए बंद करने का फैसला लिया है। राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी की कर्मभूमि में किराए के भवन में चले इस परिसर के अचानक बंद होने से स्थानीय नागरिकों और पत्रकारों में नाराजगी है। वर्तमान में सामाजिक संगठनों ने राज्य सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की है। मूल रूप से विश्वविद्यालय की स्थापना खंडवा में ही होनी थी, लेकिन भोपाल में खुलने के बाद साल 2000 में यहां 'कर्मवीर' नाम से विस्तार केंद्र शुरू किया गया। यह केंद्र 25 वर्षों तक किराए के भवन में ही संचालित होता रहा। इस दौरान स्थायी परिसर के लिए चार अलग-अलग स्थानों पर जमीन चिन्हित की गई, लेकिन फाइल हर बार अटक गई।

कभी जमीन को शहर से दूर बताया गया तो कभी उबड़-खाबड़ कहकर खारिज कर दिया गया। अंततः नगर निगम से जमीन मिलने के बाद भी निर्माण शुरू नहीं हो सका। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भूमि उपलब्ध कराने की घोषणा भी सिर्फ कागजों तक ही सीमित रही। परिसर बंद करने को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति विजय मनोहर तिवारी का कहना है कि खंडवा परिसर आर्थिक रूप से घाटे में चल रहा था, इसलिए इसे आगे जारी रखना संभव नहीं था। प्रबंधन के इस तर्क पर स्थानीय लोगों ने कड़ा एतराज जताया है। उनका सवाल है कि जब सरकारी और उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल उद्देश्य लाभ कमाना नहीं, बल्कि शिक्षा का विस्तार करना होता है, तो सिर्फ घाटे का हवाला देकर एक स्थापित परिसर को बंद करना कितना जायज है। इस केंद्र से शिक्षा प्राप्त कर सैकड़ों छात्र वर्तमान में देशभर के बड़े मीडिया संस्थानों में कार्यरत हैं। परिसर के बंद होने से निमाड़ और आसपास के आदिवासी क्षेत्र के युवाओं के लिए पत्रकारिता शिक्षा का एक महत्वपूर्ण और सुलभ विकल्प खत्म हो गया है। शहर के नागरिकों और पत्रकारों का कहना है कि यदि केंद्र में संसाधनों की कमी थी, तो सरकार को इसे विकसित करने की दिशा में काम करना चाहिए था। फिलहाल, फैसले के खिलाफ विरोध तेज हो गया है और सरकार से इस पर रोक लगाने की मांग की जा रही है।

खेत में आग, केले की फसल जली, बिजली डीपी फाल्ट से उठी लपटें

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर ● मनावर से 20 किलोमीटर दूर ग्राम गांगली सातातलाई में बिजली के डीपी फाल्ट होने से एक खेत में आग लग गई। इस घटना में 70 केले के पौधे और 5 एकड़ में फैली ड्रिप इरिगेशन पाइपलाइन जलकर खाक हो गई। किसान राजू जाट और गजू जाट ने

बताया कि यह हादसा शनिवार दोपहर करीब 3:30 बजे बिजली के डीपी से निकली चिंगारी के कारण हुआ। आग से लगभग 2 लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है।

खेत में लगाई गई ड्रिप इरिगेशन पाइपलाइन कई जगह से जलकर नष्ट हो गई। इसके अतिरिक्त, खेत में रखा अन्य सामान भी आग की चपेट में आने से जल गया। आग का विकराल रूप देखकर किसानों ने खेतों पर लगे नलकूपों की मदद से शाम करीब 5 बजे तक आग पर काबू पाया। यदि समय रहते आग पर नियंत्रण न किया जाता, तो यह और फैल सकती थी, क्योंकि घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर सूखा चारा भी रखा था। किसानों ने इस क्षति के आकलन के लिए सर्वे कराने और मुआवजे की मांग की है।

फर्जी मार्कशीट से 10 साल नौकरी, हॉस्टल अधीक्षक दोषी, कोर्ट से 3 साल की सजा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ●फर्जी अंकसूची के आधार पर शासकीय नौकरी हासिल कर करीब एक दशक तक सेवा करने वाले हॉस्टल अधीक्षक को अदालत ने दोषी ठहराते हुए सख्त सजा सुनाई है। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश अनिल चौधरी की अदालत ने आरोपी मोहन सिंह काजले को 3 साल के कठोर कारावास और 27 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया है। साल 2021 से न्यायालय में लंबित इस मामले में शनिवार को फैसला सुनाया गया। शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक अश्विनी भाटे ने पैरवी की। मामले में सहआरोपी उसकी सास भगवती बाई को भी दोषी मानते हुए 6 माह के कारावास और 2 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई गई है।

फर्जी मार्कशीट के दम पर मिली नौकरी- अभियोजन के अनुसार, मोहन सिंह काजले ने स्नातक की फर्जी मार्कशीट तैयार करवाई और उसी के आधार पर खरगोन जिले में शासकीय नौकरी प्राप्त कर ली। वह लगभग 10 सालों तक इस फर्जी दस्तावेज के सहारे नौकरी करता रहा। मामले का खुलासा होने पर सिटी कोतवाली पुलिस ने दिसंबर 2020 में आरोपी के खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471, 201 और 120-बी के तहत प्रकरण दर्ज किया था। जांच के बाद 24 फरवरी 2021 को चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

गिरफ्तारी से बचने खालवा पहुंचा- आरोपी को खरगोन में पकड़े जाने की आशंका थी, जिसके चलते वह खालवा आ गया। यहां आदिम जाति कल्याण विभाग ने उसे हॉस्टल अधीक्षक का प्रभार दे दिया। बाद में छैगांव माखन में पदस्थापना के दौरान शिकायत मिलने पर विभागीय जांच हुई, जिसमें आरोप सही पाए गए और उसे निलंबित कर दिया गया।

सास ने फाड़ दी थी फर्जी मार्कशीट- जांच के दौरान जब पुलिस आरोपी के घर दस्तावेजों की जांच के लिए पहुंची, तब उसकी सास भगवती बाई ने कथित रूप से फर्जी मार्कशीट को फाड़ दिया और पुलिस कार्रवाई में बाधा डाली। इसी आधार पर उसे भी सहआरोपी बनाया गया। फैसले के बाद संबंधित विभाग आरोपी को सेवा से बर्खास्त करने की तैयारी में है। फिलहाल वह शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में अटैचमेंट पर पदस्थ था।

अतिक्रमण पर 8 साल में चौथी बड़ी कार्रवाई, 500 पुलिसकर्मी, पथराव के बाद पीछे हट

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● झांझर वन क्षेत्र में आठ साल में चौथी बार वन विभाग ने अतिक्रमण पर बड़ी कार्रवाई की। इस बीच अतिक्रमणकारियों ने पथराव भी किया। बाद में 190 हेक्टेयर वन भूमि खाली कराई गई। चार जिलों का वन अमला, प्रशासन-पुलिस के अफसर और कर्मचारी चांदनी-असीर मार्ग पर झांझर वन क्षेत्र कार्रवाई करने पहुंचे। कार्रवाई शुरू होने के कुछ देर में ही अतिक्रमणकारियों ने पथराव कर दिया। 60 से 70 अतिक्रमणकारी पत्थर बरसाने लगे। एक जेसीबी के कांच टूट गए और जेसीबी पलट गयी। इसमें चालक कमल बंसल के सिर में चोट आई। पथराव और भगदड़ में राजस्व निरीक्षक ब्रजेश नामदेव, पटवारी ब्रजकिशोर को भी मामूली चोटें आई।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंसर्स के बीच मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी) • दिल्ली कैपिटल्स की टीम सोमवार को यहां अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली स्टेडियम में रॉयल चैलेंसर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला करेगी। इसमें दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। पिछले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ हारने के कारण दिल्ली कैपिटल्स पर दबाव रहेगा और वह इस मैच में हर हाल में जीत चाहेगी। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए प्लेऑफ में अपनी जगह मजबूत करने के लिए बेहद अहम रहेगा। । दिल्ली की सबसे बड़ी कमजोरी गेंदबाजी है हो उसे ठीक करनी होगी। टीम के बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं पर गेंदबाज बड़े स्कोर का बचाव भी नहीं कर पा रहे रहे हैं। कप्तान अक्षर पटेल को अपने गेंदबाजों को और प्रेरित करना होगा। । कुलदीप यादव, मुकेश कुमार और टी नटराजन जैसे खिलाड़ियों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और डेथ ओवरों में सटीक लाइन-लेंथ के साथ उतरना होगा ताकि टीम जीत की राह पर लौट सके। वहीं बल्लेबाजी में दिल्ली का शीर्ष क्रम बेहद अच्छा है। केएल राहुल टीम को लगातार तेज शुरुआत दे रहे हैं, जिसमें पृथ्वी शॉ और पथुम निसांका भी आक्रामक अंदाज में रन बना रहे हैं। मध्यक्रम में नीतीश राणा और डेविड मिलर टीम को स्थिरता प्रदान करते हैं, जिससे टीम एक मजबूत स्कोर खड़ा करने में सक्षम होती है। वहीं दूसरी ओर रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी इस सत्र की सबसे अच्छी टीमों में से एक के रूप में उभरी है। टीम के पास अनुभवी बल्लेबाज और प्रभावी गेंदबाज दोनों मौजूद हैं, जो उन्हें एक मजबूत दावेदार बनाता है। उसके पस विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में जोश हेज़लवुड, भुवनेश्वर कुमार और सुयश शर्मा किसी भी बल्लेबाजी क्रम को रोकने में सक्षम है।

छोटी-छोटी बातों पर तनाव लेना बंद करना चाहिएः परिणीति चोपड़ा

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने सेल्फ-लव, मानसिक शांति और जीवन की सादगी से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अभिनेत्री ने अपने एक विस्तृत नोट लिखा, जिसमें उन्होंने जीवन को सकारात्मकता और संतोष के साथ जीने की सलाह दी। परिणीति चोपड़ा ने अपने पोस्ट में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर विशेष जोर दिया। परिणीति ने लिखा कि हमें छोटी-छोटी बातों पर तनाव लेना बंद कर देना चाहिए, क्योंकि यह अनावश्यक रूप से हमारी ऊर्जा को खत्म करता है। उन्होंने शरीर को हमारी सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए प्रशंसकों से आग्रह किया कि वे इसकी आलोचना करने के बजाय इसके प्रति दयालु हों और इसे सम्मान दें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमें अपने शरीर को बेहतर पोषण देना चाहिए और इसे सक्रिय रखना चाहिए, क्योंकि भविष्य में हमें इन पलों की कमी महसूस होगी जब हमारा शरीर उतना ऊर्जावान नहीं रहेगा। परिणीति चोपड़ा ने सभी को भागदौड़ भरी जिंदगी से ब्रेक लेने की सलाह देते हुए कहा कि वास्तविक खुशी भौतिक चीजों के पीछे भागने में नहीं, बल्कि सुकून के साथ वर्तमान को जीने में है। उन्होंने सलाह दी कि हमें बाहर निकलना चाहिए, खुले आसमान को देखना चाहिए और सूरज की रोशनी को महसूस करना चाहिए, क्योंकि प्रकृति से जुड़ने में एक अलग तरह की शांति मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें अपनों के साथ बिताए गए समय को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि रिश्ते जीवन का आधार होते हैं। आज के दौर में स्मार्टफोन की लत पर कटाक्ष करते हुए अभिनेत्री ने लिखा कि हमें अपना फोन नीचे रखना चाहिए और सचमुच वहां मौजूद रहना चाहिए जहां हम हैं, ताकि हम अपने प्रियजनों से खुलकर अपने प्यार का इजहार कर सकें।

कार्लोस अल्काराज़ को बड़ा झटका, चोट के चलते फ्रेंच ओपन से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी) • टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ को एक बड़ा झटका लगा है। कलाई की चोट के कारण वे अगले महीने होने वाले फ्रेंच ओपन से बाहर हो गए हैं, जिससे उनका लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूट गया है। यह चोट उन्हें पिछले हफ्ते बार्सिलोना ओपन के दौरान दाहिने हाथ की कलाई में लगी थी। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें आराम की सलाह दी, जिसके बाद उन्होंने न केवल फ्रेंच ओपन, बल्कि इटालियन ओपन से भी हटने का मुश्किल फैसला लिया है। दोनों ही टूर्नामेंट क्ले कोर्ट पर खेले जाते हैं, जो अल्काराज़ का पसंदीदा सर्फेस माना जाता है और जहां वे आमतौर पर शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अल्काराज़ ने इस दुखद खबर की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, आज हुए टेस्ट के बाद हमने सावधानी बरतने का फैसला किया है। इसलिए, जब तक हम मेरी स्थिति का पूरी तरह से आकलन नहीं कर लेते, मैं रोम और रोलां गैरोस में हिस्सा नहीं लूंगा। उन्होंने आगे कहा, यह मेरे लिए बेहद मुश्किल समय है, लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि मैं और अधिक मजबूती के साथ वापसी करूंगा। यह बयान उनकी निराशा और दृढ़ संकल्प दोनों को दर्शाता है, लेकिन प्रशंसकों के लिए यह खबर किसी झटके से कम नहीं है। 22 वर्षीय अल्काराज़ इस साल शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर की थी, जिससे वे करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। उनकी इस चोट ने उनके बेहतरीन प्रदर्शन पर अस्थायी रूप से विराम लगा दिया है।

वैभव की बल्लेबाजी देखकर कमिंस भी हैरान हुए

जयपुर (एजेंसी) • राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे 15 साल के वैभाव सूर्यवंशी आईपीएल के हर मैच के साथ ही निखरते जा रहे हैं। वैभव ने यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 37 गेंद में 103 रनों की पारी खेली। ये वैभव का आईपीएल में इस सत्र का दूसरा शतक है। वैभव के इस शतक की सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने भी सराहना की है। वैभव ने जस प्रकार से इस सत में जसप्रीत बुमराह और जोश हेजलवुड जैसे तेज गेंदबालों को निशान बनाया। उसी प्रकार का व्यवहार उन्होंने कमिंस की गेंदों पर भी आक्रामक शॉट लगाये। वैभव ने कमिंस की पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। वैभव के इस अंदाज से कमिंस भी हैरान हुए बिना नहीं रहे। उन्होंने वैभव की इस प्रकार की बल्लेबाजी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस वह अब उनके सबसे पसंदीदा खिलाड़ी बन गये हैं।

शांति की तलाश में ओशो आश्रम आई थी याना गुप्ता

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री याना गुप्ता मन जब थक गया, तब वह शांति और सुकून की तलाश में भारत के पुणे स्थित ओशो आश्रम आ गईं। यूरोप और जापान में मॉडलिंग की दुनिया में नाम कमाने के बाद अध्यात्म की खोज में भारत आई याना आगे चलकर बॉलीवुड की सबसे चर्चित आइटम गर्ल्स बन गईं। बचपन से ही उनकी जिंदगी आसान नहीं रही; जब वे छोटी थीं, तभी उनके माता-पिता अलग हो गए थे। इसके बाद उनकी मां ने अकेले ही याना और उनकी बहन की परवरिश की। परिवार आर्थिक रूप से परेशानियों का सामना कर रहा था, इसलिए याना ने बचपन से ही संघर्ष देखा। स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने गार्डनिंग और पार्क आर्किटेक्चर की पढ़ाई शुरू की। इसी दौरान उनकी एक दोस्त मॉडलिंग कोर्स करने जा रही थी और उसने याना को भी साथ चलने के लिए कहा, यहीं से उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया। याना ने मॉडलिंग सीखी और बहुत जल्द इस दुनिया में पहचान बना ली। कम उम्र में ही वे प्रोफेशनल मॉडल बन गईं और यूरोप के कई देशों के साथ-साथ जापान में भी काम करने लगीं। लेकिन, लगातार काम और ग्लैमर की दुनिया की भागदौड़ से वे धीरे-धीरे परेशान होने लगीं। उन्हें लगने लगा कि जिंदगी में सिर्फ काम और शोहरत ही सब कुछ नहीं है; वे मानसिक शांति चाहती थीं। इसी दौरान उन्हें भारत के पुणे में मौजूद ओशो आश्रम के बारे में पता चला। उन्होंने सब कुछ छोड़कर भारत आने का फैसला किया। यहां वे अध्यात्म और खुद को समझने की कोशिश करने लगीं। ओशो आश्रम में ही उनकी मुलाकात कलाकार सत्यकाम गुप्ता से हुई। दोनों करीब आए और साल 2001 में शादी कर ली। शादी के बाद उन्होंने अपने नाम के साथ गुप्ता जोड़ लिया और भारत को ही अपना घर बना लिया।

उज्जैन संभाग

सिंहस्थ के लिए यूडीए की नई टीम तैयार, उज्जैन विकास प्राधिकरण में ढाई साल बाद हुई नियुक्ति

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • मप्र शासन ने सिंहस्थ महापर्व की व्यापक तैयारियों के मद्देनजर उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) की नई टीम नियुक्त की है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा रविवार को जारी आदेश के अनुसार, रविन्द्र (रवि) सोलंकी को प्राधिकरण का अध्यक्ष बनाया गया है। यह नियुक्तियां लगभग ढाई साल बाद की गई हैं। शासन ने भविष्य की बड़ी योजनाओं को देखते हुए इस बार बोर्ड में दो उपाध्यक्षों की तैनाती की है। मुकेश यादव और रवि वर्मा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, बोर्ड में पांच सदस्यों को भी जगह मिली है, जिनमें विजय अग्रवाल, अमित श्रीवास्तव, रामचंद्र शर्मा (रामागुरु), सुशीला जाटवा और दुर्गा बिलोटिया शामिल हैं। नवनियुक्त टीम पर सिंहस्थ से जुड़े बुनियादी ढांचे, नई कॉलोनियों और सड़कों के विकास को समय पर पूरा करने का महत्वपूर्ण जिम्मा होगा। प्राधिकरण के लंबित प्रोजेक्ट्स और मास्टर प्लान की फाइलों को गति मिलने की उम्मीद है। सिंहस्थ क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधाओं और घाटों के विस्तारीकरण जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स अब इसी नई कार्यकारिणी की देखरेख में आगे बढ़ेंगे। नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 के तहत की गई ये नियुक्तियां अस्थाई तौर पर आगामी आदेश तक प्रभावी रहेंगी। उज्जैन के नियोजित विस्तार में यूडीए की अहम भूमिका है, और सरकार का मुख्य फोकस 2028 से पहले शहर के बुनियादी ढांचे को विश्वस्तरीय बनाने पर है। नई कार्यकारिणी में अनुभवी चेहरों और महिला प्रतिनिधियों को शामिल कर प्रशासन ने विकास कार्यों में गति लाने का संकेत दिया है। अब इस टीम के सामने 2028 तक उज्जैन को सिंहस्थ के अनुकूल तैयार करने की चुनौती होगी।

तालाबों के लिए निगम की नई पहल, नैनो एरेटर तकनीक से सुधर रही पानी की गुणवत्ता

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • शहर के तालाबों की बिगड़ती स्थिति को सुधारने के लिए नगर निगम ने नैनो डिफ्यूजर सॉफ्ट एरेटर तकनीक का प्रयोग शुरू किया है। इसकी शुरुआत क्षीरसागर तालाब से की गई है, जहां 10 दिनों से यह तकनीक काम कर रही है। अधिकारियों द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और शुरुआती निरीक्षण में पानी की गुणवत्ता में सुधार देखा गया है। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने हाल ही में स्थल निरीक्षण किया, जिसमें पानी पहले की तुलना में साफ नजर आया। शहर में शिप्रा नदी के साथ-साथ सप्त सागर का धार्मिक और पर्यावरणीय महत्व है, लेकिन जल प्रवाह नहीं होने से तालाबों का पानी अक्सर दूषित हो जाता है।

इससे मछलियों और अन्य जलीय जीवों की मृत्यु होती है। गर्मी में बदबू के कारण आसपास रहना भी मुश्किल हो जाता है। क्षीरसागर में बड़ी संख्या में मछलियां हैं, लेकिन ऑक्सीजन की कमी के कारण उनकी मौत की घटनाएं सामने आती रही हैं। इस समस्या के समाधान के लिए निगम ने यह तकनीक शुरू की है। सफल होने पर इसे शहर के अन्य तालाबों में भी लागू किया जा सकेगा। यह कार्य पर्यावरणविद एसपीएस रंधावा और उनकी टीम की देखरेख में किया जा रहा है।

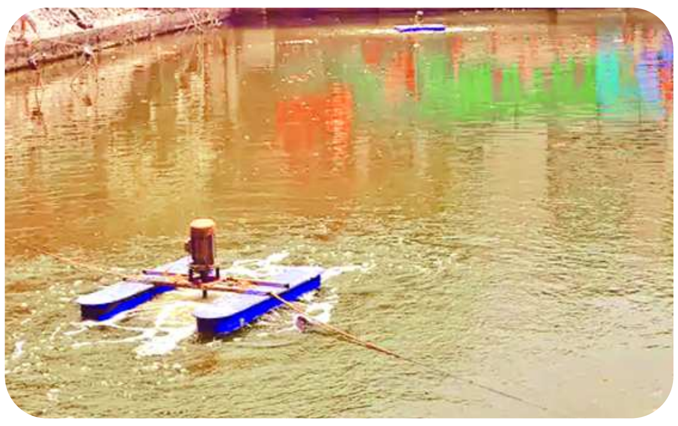

नैनो डिफ्यूजर सॉफ्ट एरेटर तकनीक के तहत तालाब में ऐसे उपकरण लगाए जाते हैं जो पानी के भीतर बेहद छोटे-छोटे हवा के बुलबुले छोड़ते हैं। ये नैनो बुलबुले पानी में घुलकर ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाते हैं, जिससे गंदगी फैलाने वाले बैक्टीरिया खत्म होते हैं और पानी धीरे-धीरे साफ व पारदर्शी बनने लगता है।

तालाबों में पहले से लगे फव्वारे मुख्य रूप से सतह पर ही असर करते हैं और सजावटी होते हैं। नैनो एरेटर तकनीक पानी की गहराई तक पहुंचकर वास्तविक सफाई करती है और लंबे समय तक प्रभाव बनाए रखती है। इसके मुख्य फायदे पानी की गुणवत्ता में सुधार बदबू और गंदगी में कमी मछलियों और जलीय जीवों को बेहतर वातावरण मिलने से उनकी मौत नहीं होगी। किनारे पर जमने वाली काई (ग्रीन लेयर) पर नियंत्रण।

तापमान 43°C...मंदिरों में लगे दही-छाछ के भोग

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • इन दिनों भीषण गर्मी का असर साफ नजर आ रहा है। शनिवार को तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। ऐसे में मंदिरों में विराजित देवी-देवताओं की सेवा में भी विशेष सावधानी और श्रद्धा दिखाई दे रही है। भगवान को गर्मी से राहत देने के लिए अलग-अलग उपाय किए जा रहे हैं। सांदीपनि आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली पर विशेष शीतल सेवा की जा रही है। पुजारी परिवार के अनुसार, भगवान को दही, छाछ, श्रीखंड, तरबूज और आम जैसे ठंडे भोग अर्पित किए जा रहे हैं। यह प्रसाद श्रीकृष्ण, बलराम, सुदामा और गुरु सांदीपनि को समर्पित होता है। गोपाल मंदिर में भी भगवान की दिनचर्या को मौसम के अनुसार बदला गया है। भगवान को रोजाना केसर और कपूर मिलाकर चंदन का शीतल लेप लगाया जा रहा है। भोग में केरी का पना, लस्सी और छाछ अर्पित की जा रही है। इस्कॉन मंदिर उज्जैन में भगवान श्रीकृष्ण और राधा को ठंडक देने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। यहां एसी के साथ उड़ीसा के मलय पर्वत से लाए गए चंदन का लेप लगाया जा रहा है। रोजाना करीब 30 किलो चंदन तैयार कर भगवान को अर्पित किया जाता है।

नागदा स्टेशन पर शौचालय दो साल से बंद:संचालन के लिए वेंडर नहीं मिल रहा, यात्री परेशान

दैनिक इंदौर संकेत

नागदा • नागदा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर करोड़ों रुपए खर्च कर किए गए कायाकल्प के बाद भी यात्री बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। स्टेशन पर बना आधुनिक शौचालय पिछले दो साल से बंद पड़ा है, जिससे यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अमृत-2 योजना के तहत लगभग 25 करोड़ रुपए की लागत से स्टेशन का नवीनीकरण किया गया है। स्टेशन दिखने में तो आकर्षक हो गया है, लेकिन जरूरी सुविधाएं न होने से विकास के दावों पर सवाल उठ रहे हैं। दो साल पहले बना शौचालय उपयोग न होने के कारण अब खंडहर में तब्दील हो रहा है। स्टेशन से रोज हजारों यात्री गुजरते हैं। शौचालय बंद होने के कारण यात्रियों को मजबूरी में खुले का सहारा लेना पड़ता है। यह स्थिति महिला यात्रियों के लिए बेहद परेशानी और शर्मिंदगी भरी है।

कांग्रेस के नवनियुक्त महामंत्री संजय अरोरा का भव्य स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा शहर जिला कांग्रेस की नई कार्यकारिणी घोषित होने के बाद नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत सत्कार जारी है। इसी क्रम में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त महामंत्री संजय अरोरा का पूर्व प्रदेश महामंत्री कमल चौहान के निवास पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश महामंत्री कमल चौहान, पूर्व पार्षद देवव्रत यादव, रवि चौहान, शराफत शेख, महेश पटेल, कमल चौधरी, निर्भय सिंह परमार, वीरेंद्र दरबार और मुकेश चित्तौड़ा सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता उपस्थित रहे। सभी ने नवनियुक्त महामंत्री को पुष्पमाला पहनाकर बधाई और शुभकामनाएं दीं। अपनी नियुक्ति और सम्मान पर नवनियुक्त महामंत्री संजय अरोरा ने शीर्ष नेतृत्व का आभार माना। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधायक एवं जिला अध्यक्ष महेश परमार, शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी सहित सभी वरिष्ठ नेताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन और उक्त जानकारी पूर्व जिला महामंत्री विक्की चौहान ने दी।

कंठाल से सती गेट तक सड़क चौड़ीकरण शुरू, सिंहस्थ की तैयारियां तेज

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन में सिंहस्थ की तैयारियों के तहत कंठाल चौराहा से सती गेट तक सड़क चौड़ीकरण का काम रविवार से शुरू हो गया है। प्रशासन के निर्देश पर व्यापारियों ने रातभर सामान हटाकर इस कार्य में सहयोग किया, जिससे निर्माण ने गति पकड़ ली है। यह मार्ग शहर के सबसे व्यस्ततम क्षेत्रों में से एक है। प्रशासन ने व्यापारियों और रहवासियों को शनिवार तक अपने प्रतिष्ठानों से सामान हटाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद शुक्रवार से ही व्यापारियों ने अपनी दुकानों का सामान शिफ्ट करना शुरू कर दिया था। व्यापारी पूरी रात अपने प्रतिष्ठानों को खाली करने में जुटे रहे और रविवार सुबह भी यह प्रक्रिया जारी रही। इस मार्ग पर कपड़े, कटलरी, बैग और मिठाई सहित कई तरह की दुकानें स्थित हैं। व्यापारियों ने स्वेच्छा से प्रशासन के साथ सहयोग किया। संभागायुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने निर्माण कार्य का पैदल निरीक्षण किया था। उन्होंने व्यापारियों से सहयोग की अपील की थी, जिसका सकारात्मक असर देखने को मिला। कई स्थानों पर व्यापारी स्वयं अपनी दुकानों और मकानों को हटाने में प्रशासन का साथ दे रहे हैं। कंठाल चौराहा से सती गेट के बीच का यह क्षेत्र उज्जैन का प्रमुख और वर्षों पुराना पारंपरिक बाजार है। यहां कई दुकानें लगभग 100 साल पुरानी हैं और रोजाना बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। नगर निगम ने मुनादी कराकर पहले ही सूचना दे दी थी, जिससे लोगों को तैयारी का पर्याप्त समय मिल सका।

केपी यादव को निगम की कमान मिलने से सिंधिया गुट हुआ बेचैन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

गुना ● मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने एक ऐसी नियुक्ति की है, जिसने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। गुना से लोकसभा सांसद रह चुके केपी यादव को मप्र नागरिक आपूर्ति निगम यानी नान का अध्यक्ष बना दिया गया है। यह नियुक्ति कागज पर सामान्य दिखती है। वहीं, इसके पीछे की सियासी कहानी बहुत दिलचस्प है। गुना की सीट पर उस वक्त के कांग्रेस के दिग्गज ज्योतिरादित्य सिंधिया मैदान में थे। गुना उनकी पारिवारिक सीट माना जाता था। वहीं, भाजपा के केपी यादव ने उन्हें करारी शिकस्त दे दी। यह सिंधिया के राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा झटका था। उस हार के बाद सिंधिया ने 2020 में कांग्रेस छोड़ दी। वे अपने समर्थक विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। इससे मध्यप्रदेश में कमलनाथ सरकार गिर गई और शिवराज सिंह चौहान फिर मुख्यमंत्री बन गए।

सिंधिया के भाजपा में आने के बाद से एक अजीब स्थिति बन गई। जिस नेता को केपी यादव ने हराया था, वह अब उनकी ही पार्टी में था। दोनों एक ही छत के नीचे थे। इसके बावजूद भीतरी तनाव कभी खत्म नहीं हुआ। राजनीतिक जानकार इसे कोल्ड वॉर कहते हैं। केपी यादव संघ के करीबी माने जाते हैं। वहीं सिंधिया का अपना अलग धड़ा है।

अब समझिए असली पेंच। मध्यप्रदेश

में खाद्य, नागरिक एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत हैं। नान उनके ही मंत्रालय के अधीन काम करता है। राजपूत को सिंधिया का बेहद करीबी माना जाता है। वे सिंधिया के साथ ही 2020 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे। यानी जिस मंत्री के मातहत नान आता है, वह सिंधिया गुट का है। और अब उसी निगम की कमान केपी यादव के हाथ में दे दी गई है। यह महज संयोग नहीं लगता। अब नान की यह नियुक्ति उसी वादे को पूरा करने की कोशिश मानी जा रही है।

नान यानी एमपी नागरिक आपूर्ति निगम एक महत्वपूर्ण सरकारी संस्था है। यह राज्य में अनाज, खाद्यान्न और जरूरी सामान की आपूर्ति का काम देखती है। सरकारी राशन वितरण, गोदाम प्रबंधन और खाद्य सुरक्षा योजनाएं इसी के दायरे में आती हैं। यानी यह एक बड़े बजट और बड़े प्रभाव वाला निगम है। अब केपी यादव को ऐसी जगह बिठाया गया है जहां काम भी है और ताकत भी। यहीं से असली खेल शुरू होता है। राजपूत के मंत्रालय के अधीन काम करने वाले निगम में एक ऐसा अध्यक्ष आ गया है जो सिंधिया गुट का विरोधी माना जाता है। निगम की नीतियों, कर्मचारी नियुक्तियों और बजट पर फैसले लेने में मतभेद स्वाभाविक हैं। केपी यादव का कार्यकाल दो साल का होगा। इन दो सालों में राजपूत और केपी के बीच कार्यशैली को लेकर कितना समन्वय बन पाता है, यह देखना दिलचस्प होगा। इस नियुक्ति से भाजपा ने एक साथ कई संदेश दिए हैं। पहला, संघ के करीबी नेताओं की अनदेखी नहीं होगी।

अमित शाह का वादा और नियुक्ति

बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केपी यादव को सम्मान का वादा किया था। ग्वालियर में एक सभा के दौरान शाह ने कहा था कि वक्त आने पर पार्टी केपी के त्याग का सम्मान करेगी।2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने गुना से सिंधिया को टिकट दिया।केपी यादव को पार्टी ने उम्मीदवार नहीं बनाया।इससे केपी समर्थकों में नाराजगी थी।

नगर निगम को झटका, शिवाजी मार्केट के 120 दुकानदारों को छुट्टी के दिन हाईकोर्ट से स्टे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम ने शिवाजी मार्केट के 120 दुकानदारों को अन्य जगह पर दुकान देकर यहां से खाली करने के आदेश दिए थे। बेदखली आदेश के तहत प्रशासन द्वारा इसके आदेश भी हो गए।

इस पर दुकानदारों को 22 अप्रैल को नोटिस दिया गया था कि तीन दिन में रिमूवल कार्रवाई होगी। इसके विरोध में दुकानदारों ने अधिवक्ता मनीष यादव के जरिए याचिका दायर की थी। इस पर छुट्टी के दिन रविवार 26 अप्रैल को जस्टिस प्रणय वर्मा की बेंच में स्पेशल सुनवाई हुई। सभी तर्क सुनने के बाद स्टे दे दिया गया।

हाईकोर्ट में यह तर्क रखे गए- अधिवक्ता मनीष यादव ने तर्क रखते हुए कहा कि यह सालों से यहां जमे हुए दुकानदार हैं। इन्हें रिमूवल का नोटिस देकर हटाया जा रहा है। इन्हें अपील के लिए भी समय नहीं मिला है। वहीं नगर निगम की ओर से तर्क दिया गया कि एनजीटी का आदेश है और कान्ह नदी की सफाई के लिए यह जरूरी है। इन्हें अन्य जगह पर दुकान दी है। हमने कैविएट भी लगाई है ऐसे में स्टे नहीं दिया जाए। वहीं जस्टिस ने सभी तर्क सुनने के बाद कहा कि अपील के लिए तो समय दिया जा सकता है। संबंधित पक्षकार दुकानदार निचले आदेश के खिलाफ उच्च अधिकारी के पास अपील कर सकते हैं।

सात दिन में लगाना होगी अपील- बेदखली आदेश के खिलाफ अब दुकानदारों को उच्च स्तर पर अपील करना होगी। हाईकोर्ट ने उन्हें आदेश के बाद सात दिन का समय दिया है। यानी अगले रविवार के पहले उच्च अधिकारी के पास अपील करना होगी। वहां पर सभी पक्ष सुनने के बाद उच्च अधिकारी द्वारा फैसला लिया जाएगा।

उधर कांग्रेस ने खोला मोर्चा-उधर कांग्रेस में निगम नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने भी निगम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रिमूवल कार्रवाई की आशंका में चौकसे व अन्य कांग्रेसी रविवार सुबह ही दुकान के बाहर धरना देने पहुंच गए थे। इसके चलते जो सुबह रिमूवल होना थी वह नहीं हो सकी। वहीं बाद में हाईकोर्ट में याचिका लगी और स्टे हो गया। इससे दुकानदारों को अभी राहत मिल गई है। अपील के निराकरण तक दुकानदारों को स्टे रहेगा।

'टिफिन डिप्लोमेसी' नेहरू पार्क में जुटे सैकड़ों कांग्रेसी, स्वाद के साथ संगठन को मिली नई ताकत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जिला कांग्रेस सेवादल कार्यवाहक अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल, शहर कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव और गिरीश जोशी के नेतृत्व में कांग्रेस द्वारा ऐतिहासिक नेहरू पार्क में भव्य टिफिन पार्टी का आयोजन किया गया। इस अनूठे आयोजन में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जहां हर टिफिन में घर के बने व्यंजनों का अलग ही स्वाद देखने को मिला। भोजन की विविधता और स्वाद ऐसा रहा कि हर सहभागी उसकी सराहना करता नजर आया।

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें छोटे से लेकर वरिष्ठ कार्यकर्ताओं तक ने समान रूप से सहभागिता निभाई। बंद कमरों से बाहर निकलकर खुले वातावरण में हुए इस मिलन ने आपसी संवाद और संगठनात्मक एकजुटता को नई ऊर्जा दी। गीत-संगीत और हंसी-खुशी के माहौल के बीच कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर नेताओं ने 'टिफिन डिप्लोमेसी' को आपसी जुड़ाव का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि इसी एकजुटता के दम पर आगामी चुनावों में भाजपा को कड़ी चुनौती दी जाएगी। आयोजन में मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता राजेश चौकसे,प्रदेश सचिवअमन बजाज,पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष निखिल वर्मा, प्रदेश प्रवक्ता नीलाभ शुक्ला, वरिष्ठ नेता अनिल यादव, प्रदेश प्रवक्ता आनंद जैन कासलीवाल, ब्लॉक अध्यक्ष पुखराज राठौर, राहुल धाकरे, रोहित जोशी, प्रवक्ता दीपू चौहान, खेल प्रकोष्ठ अलंकार रायकवार, राहुल गांधी प्रियंका गांधी सेना के राष्ट्रीय महासचिव रानू मालोरिया, वरिष्ठ कलमकार सुन्दर गुर्जर, पूर्व पार्षद राय मुनि भगत, अशोक जरवाल, विभाष शर्मा, सचिव अभिषेक करोसिया, सचिव बंटी बदलानी, मधुसूदन बालिका, पूर्व अध्यक्ष रमेश घाटे, नगीन मीणा,नीलेश गोसार ,विलियम साधवाने हरीश पटेल, सुनील अवधिया, कमलेश पटेल, अमन करोड़े, अशोक नालिया,सुनील यादव, अलीम शेख, राजू शर्मा, हर्ष जोशी, विनय अग्रवाल, विरु झंझोट सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने प्रख्यात फोटो जर्नलिस्ट श्री रघुराय के निधन पर दुख व्यक्त किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रख्यात फोटो जर्नलिस्ट श्री रघु राय के निधन पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रघु राय द्वारा खींची गई तस्वीरें संप्रेषण का महत्वपूर्ण माध्यम बनी। वे मध्यप्रदेश से गहरे जुड़े रहे। फोटो पत्रकारिता को उन्होंने नई ऊंचाइयां दी। उन्होंने अनेक ऐतिहासिक अवसरों को अपने कैमरे से कैद किया। फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र में उनका योगदान याद रखा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. रघु राय की आत्मा की शांति के लिए बाबा महाकाल से प्रार्थना की है।

आर्थिक समृद्धि के द्वार खोलेगी पार्वती-कालीसिंध-चम्बल परियोजना- मुख्यमंत्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री ने कहा कि चंबल मैया का आशीर्वाद मध्यप्रदेश और राजस्थान दोनों प्रांतों को मिल रहा है। हमारा प्रदेश अनेक नदियों के उद्गम के कारण नदियों का मायका है। मध्यप्रदेश और राजस्थान जोड़ीदार प्रदेश हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से स्वीकृत पार्वती-काली सिंध -चंबल अंतर्राज्यीय परियोजना से मध्यप्रदेश और राजस्थान लाभान्वित होंगे।

57 प्रकरणों का निराकरण कर प्रदेश में अव्वल रहा इंदौर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, मुख्य न्यायाधीश, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं संरक्षक-प्रमुख के दूरदर्शी नेतृत्व में तथा न्यायमूर्ति विवेक रूसिया, न्यायाधीश, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं कार्यकारी अध्यक्ष, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कुशल मार्गदर्शन में, जेल बंदियों को त्वरित एवं सुलभ न्याय प्रदान करने की व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

टीचरों के लिए अगला महीना अनेक चुनौतियों से भरा होगा

मई में शिक्षकों को जनगणना के साथ ही बोर्ड परीक्षा कराना होगी

नहीं मिलेगा ग्रीष्म अवकाश, कई शिक्षकों के यहां शादी के अलावा पारिवारिक-सामाजिक सरोकार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मई माह शिक्षकों के लिए अनेक चुनौतियां और परेशानियों भरा होगा। इस महीने में जनगणना का काम है तो इन्हें दसवीं एवं बारहवीं की द्वितीय परीक्षा भी करवाना होगी। इसी दौरान टीचरों को अपने घर परिवारों में शादी विवाह एवं अन्य सामजिक सरोकारों को पूरा करवाने में चैलेन्ज का सामना करना पड़ेगा। शैक्षणिक कैलेण्डर के अनुसार शिक्षकों को 1 मई से 30 जून के बीच ग्रीष्म अवकाश मिलता है। इस बार मई में जनगणना है तो इसी समय माध्यमिक शिक्षा मंडल दसवीं एवं बारहवीं की द्वितीय परीक्षा कराने जा रहा है। इसमें उन्हीं शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है, जिन्होंने प्रथम एग्जाम संपन्न कराया था।

7 मई से यह परीक्षा होने जा रही है। जबकि मई के प्रथम सप्ताह से ही शिक्षकों को जनगणना का काम करना है। यह कार्य करने के लिए इन्हें प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब शिक्षकों ने मई में प्रस्तावित ग्रीष्म अवकाश को लेकर कई कार्यक्रम निर्धारित कर दिये थे, जिन पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

एक साथ दोनों कार्यों में ड्यूटी

मई में जिस शिक्षक की बोर्ड परीक्षा में ड्यूटी है, उसी की ड्यूटी जनगणना में भी है। शिक्षकों का कहना है कि यदि परीक्षा में अनुपस्थित रहते हैं तो विभाग और अगर जनगणना कार्य में नहीं जाते हैं तो प्रशासन एक्शन ले सकता है। विभाग को इस समस्या का समाधान निकालना होगा।

अनेक शिक्षकों ने दिए अवकाश आवेदन

शादी-विवाहों एवं अन्य सामाजिक एवं पारिवारिक सरोकारों को निभाने के लिए अनेक शिक्षकों ने अवकाश आवेदन दिए हैं। लेकिन इनसे स्पष्ट कहा गया है कि प्रशासन ही छुट्टियों पर निर्णय लेगा। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय इस विषय मे कुछ भी नहीं कर सकता है।

परीक्षा के साथ मूल्यांकन भी

मई में शिक्षकों को जनगणना एवं परीक्षाएं कराना है तो इसके साथ ही उन्हे उत्तर पुस्तिकाओं की जांच भी करना है। परीक्षाओं के एक सप्ताह बाद ही कापियों के मूल्यांकन काम प्रारंभ कर दिया जाएगा।

शिक्षक संगठन लिख चुके हैं पत्र

बोर्ड परीक्षाएं मई की बजाय जून में कराने के लिए मप्र शिक्षक संघ विभाग से मांग कर चुका है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डा. क्षत्रवीर सिंह राठौर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल बोर्ड सचिव से मिला था। लेकिन कोई निर्णय नहीं लिया गया है। संघ का कहना है कि जो शिक्षक बीमार हैं, जिनके यहां शादी विवाह हैं, उन्हें राहत दी जानी चाहिए।

भागीरथपुरा में 200 बाधकों पर पहले निशान, फिर हटेगा कब्जा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा क्षेत्र में सड़क निर्माण के रास्ते में आ रहे 200 से ज्यादा ओटलों और अन्य बाधाओं को हटाने से पहले अब नगर निगम ने रणनीति बदल दी है। शनिवार को बिना पूर्व सूचना पहुंचे निगम अमले को रहवासियों के विरोध का सामना करना पड़ा, जिसके चलते टीम को बिना कार्रवाई लौटना पड़ा। रहवासियों का आरोप था कि उन्हें न तो कोई नोटिस दिया गया और न ही पहले से चिन्हांकन किया गया। अचानक तोड़-फोड़ की कार्रवाई से घरों को नुकसान होने की आशंका के चलते लोगों ने जमकर विरोध किया और जनप्रतिनिधियों तक शिकायत पहुंचाई।

पहले बाधक निर्माणों पर निशान लगाएंगे-मामले के तूल पकड़ने के बाद निगम अधिकारियों और स्थानीय प्रतिनिधियों के बीच सहमति बनी कि पहले बाधक निर्माणों पर निशान लगाए जाएंगे। इसके बाद रहवासी स्वयं आगे बढ़कर अतिक्रमण हटाएंगे, ताकि विवाद की स्थिति न बने। रविवार को निगम की टीम ने क्षेत्र में पहुंचकर चिन्हांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि सांई मंदिर मार्ग पर बनने वाली नई सड़क के लिए यह कार्रवाई की जा रही है, जहां ड्रेनेज और नर्मदा लाइन के साथ सड़क निर्माण कार्य प्रस्तावित है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि निशान लगने के बाद रहवासी स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाते हैं या निगम को फिर सख्त कदम उठाने पड़ेंगे।

अब नहीं हो सकेगा खनिजों का अवैध परिवहन लगे ई-चेक गेट

ग्राम सनावदिया के पास लगाया गया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● खनिजों के अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए खनिज विभाग ने प्रदेशभर में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग शुरू कर दिया है। अब प्रदेश में पूर्णत: मानव रहित ए.आई. बेस्ड ई-चेक गेट प्रणाली लागू कर दी गई है, जिससे खनिज परिवहन की निगरानी और सख्त हो गई है। प्रदेश स्तर पर अब तक 40 ई-चेक गेट सक्रिय किए जा चुके हैं। इसी क्रम में इंदौर जिले में ग्राम सनावदिया के पास एक ई-चेक गेट स्थापित किया गया है, जहां से गुजरने वाले वाहनों की पूरी जांच स्वचालित रूप से की जा रही है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शासन द्वारा प्रारंभ की गई इस नई व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जाए। खनिज अधिकारी जयदीप

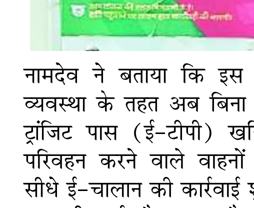

नामदेव ने बताया कि इस नई व्यवस्था के तहत अब बिना ई-ट्रांजिट पास (ई-टीपी) खनिज परिवहन करने वाले वाहनों पर सीधे ई-चालान की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। क्या है नई व्यवस्था की खासियत सभी खनिज परिवहन वाहनों पर आरएफआईडी टैग अनिवार्य किया गया। टैग वाहन के फ्रंट विंडशील्ड पर लगाया जाएगा। ई-चेक गेट से गुजरते ही वाहन की पूरी जानकारी सिस्टम में दर्ज होगी। वेरीफोकल कैमरा, एएनपीआर (नंबर प्लेट रीडर) और आरएफआईडी रीडर से जांच होगी। वाहन संख्या, खनिज की मात्रा और वजन का स्वत: मिलान होगा।

राजेंद्र चौधरी पर लगा हिंदू आतंकवाद का दाग हुआ साफ

एनआईए ने मालेगांव बम ब्लास्ट का आरोपी बना दिया

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

बचपन से ही हिंदुत्व की राह पर चलने वाले राजेंद्र चौधरी के जीवन में कहीं बार कठोर और परिश्रम समय आया, बचपन से ही संघ की विचारधारा पर चलने वाले चौधरी शिक्षा के क्षेत्र में भी पीछे नहीं रहे। पहले ही राउंड में एमपीपीएससी की परीक्षा पास कर अधिकारी बनने की तैयारी पूरी हो गई थी, लेकिन ईश्वर को और कुछ ही मंजूर था, क्योंकि चौधरी बचपन से ही संघ की विचारधारा पर काम कर रहे थे। समय-समय पर शाखों पर जाना संघ के विचारधाराओं को घर-घर तक पहुंचाना हिंदुत्व के लिए काम करना चौधरी की पहली प्राथमिकता रही केंद्र और प्रदेश में कांग्रेस की सत्ता थी। जो चौधरी की बढ़ती लोकप्रियता को देखकर अचंभित रह गए देश में हुए कहीं बम धामको में राजेंद्र चौधरी को आरोपी बनाया गया। हैदराबाद

मक्का मदीना ब्लास्ट मस्जिद, मालेगांव बम ब्लास्ट, समझौता एक्सप्रेस बम ब्लास्ट, इस दौरान एनआईए ने चौधरी को गिरफ्तार कर कहीं सालों तक जेल में रखा, लेकिन चौधरी ने हार नहीं मानी संघर्ष किया हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़ी। इस दौरान कहीं बार चौधरी को जेल में टॉर्चर भी किया गया, लेकिन हिंदुत्व की राह ने उन्हें एक दिन न्याय की दहलीज तक पहुंचा दिया, चौधरी सभी आरोपों से धीरे-धीरे भरी हुए और एक नए अध्याय की शुरुआत की चौधरी को भरोसा था। कानून और न्यायपालिका एक दिन मुझे न्याय तक ले जाएगी। सालों की कठिन तपस्या के बाद चौधरी निर्दोष साबित हुए देपालपुर में खुशी का माहौल है। आमजनता का कहना है चौधरी पर कम उम्र में बड़े आरोप लगा उसमें दोष मुक्त होना बड़ी बात है।

जेल से छूटने के बाद चौधरी ने देपालपुर विधानसभा में अपने टीम को तैयार किया गांव-गांव में समरसता भोज का आयोजन किया जबरेश्वर महादेव मंदिर निर्माण को लेकर संकल्प दिलवाएं वर्ग विशेष क्षेत्र में खंडर पड़े मंदिर के निर्माण को लेकर देपालपुर की जनता के साथ संघर्ष कर रहे हैं इतना ही नहीं चौधरी ने देपालपुर विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव भी लड़ा हजारों वोट भी लेकर आए और बड़े बड़े नेताओं को चौधरी ने ताकत भी दिखाई लगातार क्षेत्र में अपनी सक्रियता बनाए हुए हैं, छोटे से बड़े आयोजनों में पहुंचकर आम जनता से सीधा संवाद कर रहे हैं युवाओं की लंबी फौज चौधरी के लिए गांव-गांव में काम कर रही है, हिंदूवादी नेता के रूप में चौधरी ने देपालपुर में एक अलग पहचान बनाई है। आने वाले विधानसभा चुनाव में चौधरी प्रबल दावेदार हैं स्थानीय उम्मीदवार के तौर पर पहले भी उन्होंने भाजपा से टिकट मांगास, लेकिन किसी कारण उन्हे टिकट नहीं दिया गया, लेकिन फिर चौधरी ने देपालपुर का मैदान पकड़ा और लगातार घर-घर दस्तक दे रहे हैं। चौधरी को नजरअंदाज करना भाजपा के लिए नुकसान के बराबर है, क्योंकि देपालपुर की भी जनता चाहती है। अब बाहरी हटाओ और देपालपुर को बचाओ, क्योंकि देपालपुर का विकास स्थानीय व्यक्ति ही कर सकता है। जमीन से जुड़ा है देपालपुर के दुख सुख को समझता है, इसलिए स्थानीय उम्मीदवार अब देपालपुर के लिए जरूरी हो गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।